कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | सोमवार 15 अप्रैल 2024 | वर्ष-07 | अंक-1000 | पृष्ट-06 | RNI (TA) No. 2022027633

बांगला नववर्ष पर मुख्यामानात्री ममता बनर्जी ने की मंदिर में पूजा-अर्चना

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (कोलकाता): लोकसभा चुनाव के दौरान ताबड़तोड़ रैलियों और जनसभाओं के बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी कालीघाट मंदिर पहुंची. बंगाली नववर्ष की पूर्व संध्या पर उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना की. इस दौरान उन्होंने भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक किया. साथ ही बेलपत्र भी अर्पित किया.

बता दें कि बंगाली नववर्ष अप्रैल महीने के मध्य में मनाया जाता है. इस दौरान बंगाली लोग एक-दूसरे को 'शुभो नोबो बोरसो' कह कर नए साल की बधाई देते हैं. शुभो नोबो बोरसो का मतलब होता है नव वर्ष मुबारक हो. आमतौर पर यह अप्रैल महीने की 14 तारीख को मनाया जाता है. बंगाल में इसे पोहला बोईशाख कहा जाता है. यह बैशाख महीने का पहला दिन होता है. पोएला का अर्थ है पहला और बोइशाख बंगाली कैलेंडर का पहला महीना है. बंगाली कैलेंडर हिन्दू वैदिक सौर मास पर आधारित है. बंगाल में बोइशाख का पूरा महीना शुभ माना जाता है. पोइला बैसाख

पर लोग अपने घरों को साफ करते हैं, सफेदी करते है. सुबह जल्दी उठकर स्नान करते हैं और नए कपड़े पहनते हैं. बंगाली लोग इस दिन अधिकतर समय पूजा-पाठ और रिश्तेदारों- दोस्तों से मिलने-जुलने में लगाते हैं. इस अवसर पर घरों में खास पकवान बनाये जाते हैं. बंगाल में इस दिन परिवार की समृद्धि और भलाई के लिए पूजा होती है. इस दिन कोलकाता के कालीघाट मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतार देखी जा सकती है. कालीघाट का काली मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है.

इससे पहले ममता ने जलपाईगुड़ी में रैली की. इस दौरान ममता ने दावा किया कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव में 200 सीटें भी नहीं जीत पाएगी. पार्टी उम्मीदवार निर्मल चंद्र रॉय के लिए एक चुनावी रैली में बोलते हुए तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने भाजपा पर देश के संविधान को नष्ट करने का भी आरोप लगाया.

ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा 200 सीटें भी नहीं जीत पाएगी. उन्होंने उत्तर बंगाल के लिए क्या किया है? पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी के झांसे में न आएं. ये चुनावी जुमले के अलावा कुछ नहीं हैं. टीएमसी सुप्रीमो ने बीजेपी नेता अमित मालवीय का नाम लिए बिना, एनआईए द्वारा बेंगलुरु विस्फोट मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी के तुरंत बाद पश्चिम बंगाल को आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह कहने के लिए उनकी आलोचना की.

ईसीएल में मनाई गयी भारत रत्न डॉ॰ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (सांकतोड़ीया): ईसीएल मुख्यालय प्रांगण में दिनाँक 14 अप्रैल 2024 को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ॰ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समीरन दत्ता, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, ईसीएल, उनके साथ आहुति स्वाईं निदेशक (कार्मिक), नीलाद्रि रॉय निदेशक (तकनीकी) (संचालन) तथा आरएस राम संस्थापक सिस्टा/ पूर्व महाप्रबंधक कार्मिक, सीआईएल एवं विभिन्न श्रमसंघ प्रतिनिधियों, सिस्टा एवं एससी/ एसटी काउंसिल के पदाधिकारीगण, विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों, कर्मचारियों, महिलाओं और बच्चों की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर सर्वप्रथम मुख्यालय परिसर में स्थापित संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके उपरांत दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ईसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ने बाबा साहेब के योगदानों को स्मरण करते हुये कहा कि बाबा साहेब की प्रगतिशील सोच सभी के लिए प्रेरणा-स्रोत हैं। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ॰ भीमराव अंबेडकर समावेशी विकास के प्रबल पक्षधर थे।

उन्होंने कहा के हम सबके द्वारा उनके महान व्यक्तित्व और जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में आत्मीकृत करना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस मौक़े पर सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे लोक नृत्य एवं लोक संगीत आदि का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष (प्रशासन) कल्याण जी प्रसाद द्वारा दिया गया। ईसीएल मुख्यालय की भांति ईसीएल के सभी क्षेत्रों में भी अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भाजपा उमीदवार और पूर्व मेयर ने एक साथ काली मंदिर में पूजा की

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (आसनसोल): आसनसोल लोकसभा सीट से भाजपा उमीदवार सुरेंद्र सिंह अहलूवालिया और पूर्व मेयर व भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी बांग्ला नव वर्ष के मौके पर रविवार को आसनसोल के गोधूलि काली मंदिर में एक साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान उनके साथ कुल्टी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार, आसनसोल नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष चैताली तिवारी, भाजपा पार्षद गौरव गुप्ता, अरिजीत राय व अभय उपाध्याय समेत बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे। जितेंद्र तिवारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भाजपा उमीदवार सुरेंद्र सिंह अहलूवालिया के गोधूलि काली मंदिर पहुंचने पर उनका गर्म जोशी से स्वागत किया गया। पूर्व मेयर जितेंद्र तिवारी ने भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह अहलूवालिया का पांव छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद मंदिर में उन्होंने पूजा की तथा मां काली का आशीर्वाद लिया। मंदिर में पूजा कर बाहर निकलने के बाद में भाजपा उमीदवार सुरेंद्र सिंह अहलूवालिया ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए सिर्फ इतना कहा कि यहां कोई ना राजा है ना ही सेनापति है। यहां सभी लोग कार्यकर्ता है और सब आपस में मिल जुलकर कार्य करेंगे।

रानीगंज पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 3 आपराधिक मामलों में 9 गिरफ्तार, हथियार सहित चोरी के सामान बरामद

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (रानीगंज): आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के अधीन रानीगंज थाना की पुलिस ने रानीगंज के तीन अलग-अलग स्थानों से तीन अलग-अलग आपराधिक घटनाओं में लगातार अभियान करते हुए बड़ी सफलता हासिल की.रानीगंज के पंजाबी मोड़ फाड़ी क्षेत्र में हुई तीन आपराधिक मामलों में पुलिस ने कार्रवाई करते 9 बदमाशों को पकड़ने में सफलता हासिल की और उनके पास से हथियार सहित चोरी के विभिन्न सामान बरामद किया गया।

इनमें उड़ीसा के पांच बदमाशों को लूट की घटना के सिलसिले में एक नाइन एमएम पिस्टल, तीन राउंड ताजा कारतूस, एक धारदार हथियार और एक कट्टा के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार लोगों के पास मौजूद एक जीप और एक फोर्ड कार जब्त की।

घटना के संबंध में पता चला है कि देर रात रानीगंज थाने के पंजाबी मोड़ फाड़ी के आईसी रवीन्द्रनाथ दलुई और उनके सहयोगी पदाधिकारी लोकेश दास रात्रि को रानीगंज के बसड़ा मोड़ में गश्ती कर रहे थे, उसी समय पुलिस को बंशरा मोड़ के पास ट्रकों के पीछे पांच संदिग्ध व्यक्ति दिखे और उनसे पूछताछ की उन लोगों की तलाशी के दौरान पुलिस ने आधुनिक 9 एमएम पिस्टल, तीन राउंड

ताजा कारतूस और धारदार हथियार समेत कई सामान बरामद किये.

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी रानीगंज इलाके में एक व्यक्ति के घर डकैती के मकसद से बंसड़ा इलाके में इकट्ठा हुए थे. गिरफ्तार सभी लोग ओडिशा के रहने वाले बताये जा रहे हैं. इनमें उड़ीसा के गंगापुर निवासी 23 वर्षीय मनोज कुमार बदात, उड़ीसा के गंजम क्षेत्र निवासी 28 वर्षीय निसाकर डाकुआ, गंजाम क्षेत्र निवासी 29 वर्षीय मिथुन स्वैन, उसी क्षेत्र के निवासी 28 वर्षीय बलराम भोला और 32 वार्षिय सुकांत संबलपुर, उड़ीसा निवासी शामिल है। पुलिस यह पता लगाने के लिए आरोपियों को आसनसोल अदालत में ले आई कि क्या आरोपी डकैती करने के लिए उस हिस्से में एकत्र हुए थे।

वही 11 तारीख को चार टोटो कार चोरी के आरोप में पुलिस ने रानीगंज के सियारसोल से सटे उसी इलाके के रहने वाले 22 वर्षीय विजय कोड़ा, 19 वर्षीय टोटन बाद्यकर और 28 वर्षीय सूरज पांडे को गिरफ्तार किया। विशेष सूत्रों से मिली विभिन्न जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने इन तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की. पुलिस ने इस चोरी को अंजाम देने के अपराध में गिरफ्तार व्यक्तियों को आसनसोल जिला अदालत में पेश किया। पुलिस ने आगे की पूछताछ के लिए आरोपियों को पुलिस हिरासत में लेने अनुरोध किया। कोर्ट ने गिरफ्तार व्यक्तियों को पुलिस हिरासत में लेने का अनुरोध स्वीकार कर लिया।

आपराधिक घटना के तीसरी बड़ी सफलता लंबे समय बाद फर्जी पहचान पत्र बनाने वाले एक युवक को ढूंढकर मुर्शिदाबाद, सागरदिघी इलाके के 28 वर्षीय मुहम्मद अली जिन्ना नामक व्यक्ति को जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने विभिन्न सूचनाओं की खोज की और रानीगंज के खाटू श्याम मंदिर में एक महिला दर्शनार्थी को लूटने के आरोप में गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। पुलिस हिरासत से कोर्ट जाते समय गिरफ्तार व्यक्ति ने मीडिया के सामने डकैती की घटना को स्वीकार किया और विस्तार से बताया कि उसने कैसे डकैती की घटना को अंजाम दिया.

पुलिस गिरफ्तार व्यक्ति को आसनसोल जिला कोर्ट पेश किया गिरफ्तार व्यक्ति को अपनी हिरासत में ले लिया जाए ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वह भविष्य में किसी अन्य आपराधिक घटनाओं में शामिल है। लोकसभा चुनाव के दौरान एक के बाद एक इन जघन्य घटनाओं पर रोक लगने से खनन क्षेत्र के लोग स्वाभाविक रूप से राहत की सांस ले रहे हैं. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुलिस की कड़ी निगरानी के कारण ही इन सभी आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाना संभव हो सका है. रानीगंज थाने के इंस्पेक्टर विकास दत्त ने शहर में आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस की पीसी पार्टी की निगरानी को विशेष महत्व दिया।

ईसीएल इंटर एरिया वालीबाल टूर्नामेंट का चैंपियन बना कुनुस्तोडिया क्षेत्र

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (पांडवेश्वर): ईसीएल इंटर एरिया वालीबाल टूर्नामेंट का फाइनल मैच सोनपुर बाजारी क्षेत्र कुनुस्तोडिया क्षेत्र के बीच खेला गया, रोमांचक मुकाबले में कुनुस्तोडिया क्षेत्र ने सोनपुर बाजारी को पराजित करके वालीबाल टूर्नामेंट का चैंपियन बना, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ईसीएल की कार्मिक निदेशक आहुति स्वाइन ने विजेता टीम को ट्राफी सौंपी,

इस अवसर पर कार्मिक निदेशक ने दोनो टीमों के खिलाड़ियों की प्रशंसा किया और कहा की भले ही कुनुस्तोडिया टीम विजयी बना है लेकिन सोनपुर बाजारी की टीम ने जबरदस्त टक्कर दिया, कार्मिक निदेशक ने ईसीएल में खेलकूद का बढ़ावा देने के साथ कंपनी की ओर से दी जा रही योजनाओं का जिक्र किया और कहा कि आज हमारे कंपनी के ऊर्जावान कर्मियो के चलते ईसीएल की स्तिथि में सुधार होता दिख रहा है और आने वाले दिनों में ईसीएल बहुत आगे तक जायेगा, कार्मिक निदेशक को पांडवेश्वर पहुंचने पर क्षेत्र के महाप्रबंधक अजय कुमार शर्मा ने आत्मीय स्वागत किया,

देर संध्या तक चले फाइनल मुकाबले में पांडवेश्वर क्षेत्र के अधिकारियों में क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक फनीद्र सिंह, सुरक्षा अधिकारी एसपी सिंह, डीजीएम प्रभात कुमार, क्षेत्रीय अभियंता हलधर रजक के अलावा सोनपुर बाजारी क्षेत्र के महाप्रबंधक उत्पादन, आरके सिंह, कुनुस्तोडिया क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक राजेश त्रिवेदी समेत मजदूर संगठनों के नेता उपस्थित थे.

भारत रिलीफ सोसायटी का सेवा कार्य

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (कोलकाता): भारत रिलीफ सोसायटी ने एक नायाब सेवा कार्य किया। बांग्ला नव वर्ष प्रथम वैशाख के शुभ अवसर पर सोसाइटी की ओर से सोसाइटी भवन से चिल चिल्लाती धूप मे छातों का वितरण किया गया। लगभग 500 जरूरतमंद लोगों ने इसका लाभ उठाया।

सोसाइटी के अध्यक्ष संदीप शाह ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। साथ ही समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सर्वश्री विशंभर नेवर, विनीत पेड़ीवाल, जय गोविंद इन्दोरिया, नथमल भीमराजका, अंजू सेठिया, रूमा दास, सीमा भावसिहका, आसाराम झंवर, गुलाब दुधानी, विक्रम नेवर, दिनेश सेठ, सनी पेरीवाल प्रभृति, के साथ स्थानीय पार्षद रिहाना खातून, सामाजिक कार्यकर्ता संजीव शर्मा, आफताब आलम श्याम राठी एवं प्रबंधक संजीव राठी, सहयोगी पंकज पांडे, सुशील प्रवृत्ति ने वितरण कार्य में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। यह जानकारी समाजसेवी अंजू सेठिया ने दी।

कवि सम्मेलन व मुशायरा के साथ मना ईद मिलन समारोह

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (खड़गपुर): पश्चिम मेदिनीपुर जिले के खड़गपुर शहर अंतर्गत वार्ड पांच में ईद मिलन समारोह के उपलक्ष्य में यूथ फोरम फार सोशल सर्विस के तत्वावधान में कवि सम्मेलन सह मुशायरा का आयोजन किया गया।

इस मौके पर बतौर वरिष्ठ शायर सैय्यद अबरार सफी के साथ अन्य शायरों में आशिक हुसैन वफा, खालिद हुसैन, साबिर अली ने अपनी रचनाओं से लोगों को जमाने के बदलते हालात, पीढ़ियों में आते बदलाव के साथ सामाजिक सरोकार से जुड़ी समस्याओं पर सोचने के लिए मजबूर किया।

कवियों में अभिनंदन गुप्ता, नीलम अग्रवाल, वंदना प्रजापति, उमेश शर्मा फ्रिक व युवा कवि अजीस नायर ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को ओत-प्रोत करते हुए भाव-विभोर किया।

अवकाश प्राप्त रेलकर्मी चंद्रशेखर तिवारी ने एक ओर जहां अपनी ओजस्वी वाणी से मंच का सफलतापूर्वक संचालन किया, वहीं रचनाओं से श्रोताओं को ठहाके लगाने पर भी मजबूर किया।

इस मौके पर आमंत्रित अतिथियों में पूर्व नपा उपाध्यक्ष शेख हनीफ, जावेद अहमद खान, अनीस रहमान, एडी बनर्जी, आरिफ रहमान, यूथ फोरम फार सोशल सर्विस के सचिव एस.ए खान व मोंटू बारी समेत बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

सिख स्कूल कमेटी की पगड़ी बांधो प्रतियोगिता में मनदीप सिंह बने विजेता

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (खड़गपुर): पश्चिम मेदिनीपुर जिले के खड़गपुर शहर अंतर्गत गेट बाजार रावण मैदान स्थित गुरु तेग बहादुर खालसा पब्लिक स्कूल में रविवार को युवाओं व बच्चों के लिए पगड़ी बांधो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

खालसा पंथ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सिख स्कूल कमेटी चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित हुई इस प्रतियोगिता के आयोजन का उद्देश्य युवाओं में अपनी सभ्यता व संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा करना है।

प्रतियोगिता में कुल 11 प्रतिभागी शामिल हुए। सभी ने आइने के सामने अपनी पगड़ी को खूबसूरती से बांधा।

निर्णायक मंडली ने सभी प्रतिभागियों की पगड़ी बांधने की कला का बारीकी से निरीक्षण करते हुए मनदीप सिंह को प्रथम, यश सिंह को द्वितीय व अमन सिंह को तृतीय पुरस्कार के रूप में स्मृति चिह्न व प्रमाण पत्र प्रदान किया।इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार के तौर पर प्रमाण -पत्र प्रदान किया गया।

आयोजक मंडली के पदाधिकारियों ने कहा कि विद्यालय परिसर में प्रत्येक रविवार को सुबह आठ बजे से गुरुमुखी, कीर्तन व पगड़ी बांधने की कला सिखाई जाती है। इसके साथ ही लंगर का भी आयोजन होता है।

कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद ने किया झांझरा का दौरा

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (पांडवेश्वर): कोल इंडिया के चेयरमैन पी, एम, प्रसाद ने झांझरा क्षेत्र का दौरा किया, झांझरा पहुंचने पर कोल इंडिया चेयरमैन को ईसीएल के तकनीकी निदेशक संचालन निलाद्री राय और क्षेत्र के महाप्रबंधक आरसी. महापात्रा ने स्वागत किया, अपने दौरा के क्रम में कोल इंडिया चेयरमैन ने झांझरा का कोयला उत्पादन में इतिहास को दोहराया और चालू वित्तीय वर्ष में झांझरा क्षेत्र से ज्यादा कोयला उत्पादन करने की उम्मीद जताई, पर्यावरण की रक्षा करने के लिए चेयरमैन ने वृक्षारोपण करने के साथ ऊर्जवान कर्मियो को प्रतोसाहित भी किया, इस अवसर पर डीजीएम टीके कोले, प्रबंधक एसके सिन्हा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

भारत का संविधान गणतंत्र भारत का राष्ट्र धर्म एवं राष्ट्र ग्रंथ है, इसकी रक्षा के लिए कृत संकल्प है- नंद बिहारी यादव

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (आसनसोल): शिल्पांचल के जाने-माने वरिष्ठ अधिवक्ता तथा समाजवादी नेता एवं राष्ट्रीय जनता दल राष्ट्रीय परिषद के सदस्य नंद बिहारी यादव ने अपने आवासीय कार्यालय में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 133वीं जयंती मनाई.

श्री यादव ने इस अवसर पर कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की का जन्म आज से 133 साल पूर्व महाराष्ट्र के एक सुदूर गांव में महार जाति में हुआ था, बाबा साहब जन्म से मृत्यु तक संघर्ष करते रहे उनका जीवन बहुत ही संघर्ष में गुजरा. श्री यादव ने बताया कि बाबा साहब का जन्म समाज में तत्कालीन विपरीत परिस्थितियों में हुआ जब भारतीय समाज व्यवस्था पर पूर्ण तक मनुवाद ब्राह्मणवाद का कब्जा था. जहां भारत के मूल के 85% जनता को मानसिक रूप से गुलाम बनाकर रखा गया था. यहां के बहुजन समाज को जानवरों से भी बेहतर जीवन जीने को मजबूर किया गया था. जहां उन्हें नदी तालाब और कुएं पर पीने का पानी भी नहीं मिलता था. उन्हें अछूत समझा कर समाज से भगा दिया जाता था और गांव समाज में दूर रखा जाता था. वैसे स्थिति में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा को मूल मंत्र मानकर और शिक्षा के माध्यम से समाज को जागरूक करने का काम किया.

श्री यादव ने कहा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर अपने तत्कालीन समय में सबसे उच्च कोटि के शिक्षाविदार विद्वान थे. जिन्होंने शिक्षा के सभी दर्शन में उच्च कोटि की शिक्षा प्राप्त किया और कानून विद बनकर देश में गरीब दलित पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज को न्याय दिलाने का काम किया की बाबा साहब भीमराव अंबेडकर भारत के संविधान के निर्माता रहे हैं.

श्री यादव में आगे बताया बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने आजादी की लड़ाई भारतीय जनमानस को नई चेतना और क्रांति संघर्ष और न्याय के लिए लड़ना सिखाया और भारत की 80% जनता जो दलित पिछड़ा समाज था, उसको

शिक्षित होकर संगठित बनाकर संघर्ष करने का राह दिखाए. श्री यादव ने कहा कि बाबा साहब ने शिक्षित बनो संगठित हो और संघर्ष करो का नारा दिया था और उनके दिखाएं मार्ग पर चलकर आज गरीब दलित उपेक्षित समाज के लोग समाज में डीएम एसपी न्यायविद के पद पर आसीन है.

श्री यादव ने कहा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा रचित संविधान भारत की 140 करोड़ जनता का लोकतंत्र का पवित्र ग्रंथ है. इसे उन्होंने भारत गणतंत्र का राष्ट्र धर्म और राष्ट्र ग्रंथ बताया. उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की रक्षा के लिए अपने जान की भी आहुति इस देश की जनता देगी.

श्री यादव ने वर्तमान में केंद्र में स्थापित नरेंद्र मोदी सरकार को भारत का संविधान विरोधी बताया और उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार 2014 से सत्ता में आने के बाद बाबा साहब द्वारा रचित संविधान जो गरीब दलित पिछडो को सामान नागरिकता का अधिकार दिया है, उसे लगातार छेड़छाड़ करने और भारत के संविधान को खत्म करने के साजिश में लगा हुआ है और इस तरह के संविधान विरोधिकारियों के लिए देश की जनता को सचेत रहने का आह्वान किया.

श्री यादव ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार अगर भारत के संविधान के साथ छेड़छाड़ करेगी तो उसे गंभीर परिणाम भुगतना होगा और देश की जनता नरेंद्र मोदी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेगी. श्री यादव ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर समाज के दबे कुचले गरीब लोगों को काम खाकर कम कपड़े पहनकर भूखे पेट रहकर भी शिक्षा और शिक्षित होने को कहा. उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा मंत्र है इस मूल मंत्र के द्वारा मनुष्य और भारत के समाज के दबे पिछड़े वर्ग के लोग विकास के मुख्य धारा से जुड़ सकेंगे.

जयंती पर याद किए गए भारत रत्न बाबा साहब

दलित व पिछड़ों के उत्थान के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर एससीएसटी ओबीसी अल्पसंख्यक शोसल वेलफेयर सोसाइटी का शुभारम्भ

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (नियामतपुर): पश्चिम बंगाल आसनसोल नगर निगम वार्ड संख्या 101 के चिनाकुड़ी सोदपुर 9/10 नंबर कोलियरी इलाके मे भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जयंती मनाई गई, उनके फोटो पर पुष्प गुच्छ अर्पित कर उन्हें सम्मान दिया गया, इस मौके पर दलित व पिछड़ों की आवाज उठाने व उनकी आवाजों को बुलंद करने के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर एससीएसटी ओबीसी अल्पसंख्यक सोसल वेलफेयर सोसाइटी के नाम से एक संस्था भी खोला गया, जिस संस्था के अध्यक्ष राजनीती पासवान, सेकेट्री

राजेश पासवान, वाइस प्रेसिडेंट पप्पू पासवान, ट्रेजरर गौतम पासवान को बनाया गया, जिस संस्था का उद्घाटन बाबा साहब की जयंती पर मुख्य अतिथि के तौर पर पहुँचे तृणमूल के पूर्व पार्षद सह समाज सेवी रोहित नोनिया, पश्चिम बर्धमान टीएमसी जिला चेयरमेन उज्वल चटर्जी ने फीता काटकर किया, इस दौरान अतिथियों को संस्था के पदाधिकारियों ने फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया, जिसके बाद बाबा साहब की याद मे आजादी से जुड़ी गानों को गाकर बाबा साहब की जयंती मे उपस्थित तमाम लोगों के अंदर देश के प्रति ऊर्जा भरने का प्रयास किया गया,

वहीं इस कार्यक्रम के दौरान रोहित नोनिया ने कहा दलित परिवार में जन्म लेने के कारण बाबा साहेब अंबेडकर को बचपन से ही जाति को लेकर भेदभाव का सामना करना पड़ा. लेकिन सशक्त शिक्षा के बल पर उन्होंने जाति के बंधन को कमजोर कर दिया. उन्होंने स्वयं तो शिक्षा हासिल की ही. साथ ही दलित, वंचितों, मजदूरों और महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ खड़े होकर लंबी लड़ाई भी लड़ी, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के अनमोल विचारों से सफल होने और मजबूत बनने की प्रेरणा मिलती है. आप भी उनके विचारों को जीवन में अमल कर अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं,

वहीं इस मौके पर तृणमूल नेता बिनोद साव, संस्था से जुड़े भोला पासवान, जदद्रू पासवान, मेवालाल पासवान, बिनोद पासवान, चंदन नोनिया सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे.

तृणमूल कांग्रेस ने घर- घर चलाया प्रचार अभियान

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (जामुड़िया): आसनसोल लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज ही गई है। वही चुनाव प्रचार में सबसे आगे सत्तधारी दल तृणामुल कांग्रेस की ओर से चुनाव प्रचार तेजी से चलाया जा रहा है।

आसनसोल लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस द्वारा तत्कालीन सांसद शत्रुघ्न सिन्हा के नाम की घोषणा के बाद तृणमूल समर्थकों द्वारा दीवार लेखन के साथ ही चुनाव प्रचार तेज गति से शुरू कर दिया गया है। वही अब तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्तो द्वारा घर घर जाकर लोगों के बीच प्रचार

किय जा रहा है। इस दौरान लोगो को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा लोगो को दी गई सुविधा व योजनाएं के विषय में जनता को जानकारी प्रदान किया जा रहा है। जामुड़ीया विधानसभा क्षेत्र के केंदा ग्राम पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों में तृणमूल कांग्रेस की ओर से घर - घर प्रचार अभियान चला चुनाव प्रचार किया जा रहा है।

इस दौरान तृणमूल कांग्रेस के केंदा अंचल अधाक्ष्य संदीप बनर्जी उर्फ बीजू ने प्रचार के दौरान लोगो को लखी भंडार के तहत मिलने वाले लाभ सहित रूपोश्री, कान्याश्र, सबूज साथी आदि प्रकल्पों को सुचारू रूप से चालू रखने के लिए तृणमूल कांग्रेस का साथ लोकसभा चुनाव में खुलकर देना होगा।

घर घर प्रचार अभियान के दौरान तृणमूल कांग्रेस नेता देवासिश चटर्जी, उमेश राम, मनोज यादव, सरोवर राम, पंचायत समिति सदस्य तानिया चक्रवर्ती सहित तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्त्ता और समर्थक मौजूद रहे

अंबेडकर क्लब ने बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती का पालन किया

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (नियामतपुर): आसनसोल नगरनिगम के वार्ड संख्या 58 स्थित धेमोमेन के पांच नम्बर अंबेडकर क्लब द्वारा बाबा भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती का पालन किया गया. मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय पार्षद संजय नोनिया ने अपनी उपस्थिती दर्ज़ करते हुए संविधान रचयिता की तस्वीर पर माल्या अर्पण किया और बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डाला. साथ ही उन्होंने बाबा साहेब द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का आह्वान किया.

बाबा साहेब ने अपना जीवन सामाजिक न्याय और समानता के लिए समर्पित कर दिया- अनीता रानी

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (आसनसोल): भारत रत्न संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती वार्ड नंबर 27 के रामकृष्ण डंगाल के कोडा पाड़ा स्थित आदिवासी क्षेत्र में मनाई गई. बच्चों के बीच पढ़ने लिखने की सामग्री- पेंसिल बॉक्स, कटर, रबड़, पेंसिल वितरण किया गया.

अनिता रानी कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार कहा जाता है. वह स्वतंत्र भारत

के पहले कानून मंत्री भी थे. हमारे देश में हर साल 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाती है.

बाबासाहेब अंबेडकर एक विद्वान, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने अपना जीवन सामाजिक न्याय और समानता के लिए समर्पित कर दिया. आज उनकी जयंती के दिन जानिए उनके बेहतरीन प्रेरणा दायक अनमोल विचार जो आपके जीवन की दिशा बदल देगा.

श्री श्याम मंदिर का दर्शन करने पहुंचे भाजपा प्रत्याशी एसएस आहलूवालिया

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (रानीगंज): आस्था का केंद्र श्री श्याम मंदिर का दर्शन करने आसनसोल लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी एस एस आहलूवालिया पहुंचे। उनके साथ कुल्टी के विधायक डॉक्टर अजय पोद्दार भी मुख्य रूप से उपस्थित थे। श्याम भक्तों की तरफ से विष्णु सराफ, विमल सराफ, पवन केजरीवाल ने भाजपा प्रत्याशी को स्मृति चिन्ह भेंट किया एवं श्याम बाबा की चुनरी पहनाकर सम्मानित किया। श्याम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी विष्णु श्रॉफ एवं पवन केजरीवाल ने कहा कि रानीगंज की भूमि पर जन्मे एवं यहीं से शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात इस क्षेत्र से राजनीति शुरू करके पूरे भारतवर्ष में आज अहलूवालिया जी ने अपना परचम लहराया है यहां के जनता से उनका पुराना रिश्ता कायम है एवं जिस क्षेत्र के भी वे सांसद बने हैं उसे क्षेत्र का काफी विकास काम भी उन्होंने किया है। इस मौके पर सरदार आहलूवालिया ने कहा कि रानीगंज के जागृत श्याम मंदिर में आकर मुझे बहुत अच्छा लगा पुराने परिचय वालों से मुलाकात हुई आज भी लोगों से पहले की तरह ही मुझे अपनापन मिला है।

बांगला नव वर्ष पर कल्याणेश्वरी मंदिर मे अहलूवालिया ने आशीर्वाद प्राप्त किया

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (बराकर): मां कल्याणेश्वरी मंदिर मे पूजा अर्चना करने आसनसोल लोक सभा के भाजपा प्रत्याशी एस एस अहलूवालिया पहुंचे। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के कुल्टी विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार, भाजपा जिला अध्यक्ष बप्पा चटर्जी सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस संबंध मे बताया जाता है कि पश्चिम बंगाल झारखंड सीमा क्षेत्र पर मैथन जलाशय के समीप प्राचीन मंदिर स्थित है। जहां लोगो की अपार श्रद्धा एवम आस्था है। जहां नव वर्ष तथा अन्य प्रमुख त्योहारों पर श्रद्धालुओ की भारी भीड़ जुटती है।

इसी क्रम मे बांगला नव वर्ष पर मां कल्याणेश्वरी मंदिर मे एसएस अहलूवालिया ने विधिवत पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने माता के गर्भ गृह मे प्रवेश कर विधि पूर्वक पूजा अर्चना किया। इसके उपरांत पुजारी द्वारा मंदिर के बारे मे प्राचीन जानकारी दिया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं मे भारी उत्साह देखा गया तथा लोगो ने उनका भरपूर अभिनंदन किया। इसके बाद वे अपने समर्थकों के साथ अपने आगे के कार्यक्रम की ओर बढ़ गए।

मेजिया थर्मल पावर स्टेशन में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस समारोह

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (रानीगंज): मेजिया थर्मल पावर स्टेशन में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस मनाया गया. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सीआईएसएफ की फायर फाइटिंग विंग द्वारा यह दिवस मनाया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मेजिया थर्मल पावर प्लांट के प्रोजेक्ट हेड पीपी एसए मौजूद थे, थर्मल पावर प्लांट और सभी सीआईएसएफ इकाइयों के कई अधिकारी भी मौजूद थे. सीआईएसएफ कमांडेंट सोनू सिंह शिखरवा ने बताया कि अग्नि निरोधक सप्ताह पूरे सप्ताह विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जाएगा.

बस्ती क्षेत्र में लोगों को फुड पैकेट बांटे गए

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (रानीगंज): मिशन उड़ान वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वाधान में बांग्ला नव वर्ष के अवसर पर कुमर बाजार बाउरी पाडा में 200 लोगों को फ़ुड पाकेट में प्रदान किया गया। संस्था का अध्यक्ष कंकना सिंन्हा मंडल न कहा कि प्रत्येक पूजा त्यौहार के अवसर पर हम लोग बस्ती क्षेत्र में इलाके के लोगों के साथ कुछ पल व्यतीत करते हैं उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करते हैं क्योंकि वह भी हमारे समाज के अंग है उन्हें उपेक्षित नहीं समझना चाहिए। इस अवसर पर उपाध्यक्ष कल्याण दीप पाल, देवीका, पियु, ज्योति, शुभम, मोना, विपीन, सुभादीप, चंद्रीमा, सुतापता मुख्य रूप से उपस्थित थे।

संविधान निर्माता की जयंती पर श्यामसुंदरपुर में प्रतिमा का अनावरण

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (उखड़ा): ईसीएल बंकोला क्षेत्र के श्याम सुंदरपुर कोलियरी चंचनी में बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में मूर्ति का अनावरण सिस्टा संस्था ओर से भव्य तरीके से किया गया, डॉ भीमराव अंबेडकर का मूर्ति का अनावरण संस्था के संस्थापक आर एस राम रिमोट के माध्यम से पर्दा हटाकर एवं माला पहनकर किया,

इस मौके पर उपस्थित सिस्टा संस्था के संस्थापक आर एस राम ने कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर जयंती के शुभ अवसर पर श्यामसुंदरपुर कोलियरी क्षेत्र में मूर्ति का अनावरण किया गया,

इसके लिए बंकोला क्षेत्र के सभी निवासियों को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं बाबा भीमराव अंबेडकर का कहना था कि शिक्षित बने संगठित रहे परिश्रम करें एवं देश को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर कार्य करें उनका उद्देश्य समाज के पिछड़े लोगों को समाज में सामान्य इज्जत प्रदान करना था, ताकि सभी मिलकर एक साथ भारत देश को आगे बढ़ाने के लिए परिश्रम करें समाज में भेदभाव समाप्त हो सभी देशवासी एक साथ मिलकर इज्जत और सम्मान के साथ जीवन व्यातित करें,

इस मौके पर अपस्थित सिस्टा संस्था ईसीएल के महासचिव लछीराम हरिजन ने कहा की कुछ वर्ष पहले यहां पर स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति किसी करण बस क्षतिग्रस्त हो गई थी, उसी मूर्ति का फिर से भीमराव अंबेडकर के जयंती को अपलक्ष में भव्य तरीके से अनावरण किया गया,

इस मौके पर सिस्टा संस्था के महासचिव राजकुमार कानोजिया ईसीएल के अध्यक्ष राजेंद्र जेसवारा, संयुक्त सचिव मुसाफिर हरिजन, सांगठनीक सचिव मनीष प्रसाद, रामानंद हरिजन, श्याम सुंदरपुर शाखा सचिव सुभाष प्रसाद हरिजन, भूईया समाज एवं तृणमूल कांग्रेस हिंदी प्रकोष्ठ के नेता सिंटू भुइया आदि अपस्थित थे.

रानीगंज गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने किया भाजपा प्रत्याशी का सम्मान

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (रानीगंज): बैसाखी के कार्यक्रम में भाजपा के प्रत्याशी एस एस आहलूवालिया रानीगंज गुरुद्वारा पहुंचे। जहां सिख संगत ने उनका स्वागत किया। रानीगंज गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष बलजीत सिंह, प्रमुख पदाधिकारी सरदार हरजीत सिंह बग्गा, बलवीर सिंह इंद्रजीत सिंह ने एस एस आहलूवालिया का स्वागत किया। प्रमुख पदाधिकारी हरजीत सिंह बग्गा ने कहा कि एस एस आहलूवालिया इस क्षेत्र में अपना जीवन व्यतीत किए हैं, आज पूरे भारतवर्ष में उनकी पहचान है। गुरु घर की सेवा में निरंतर उनके योगदान रहा है इसके अलावा सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है पूरे सिख समाज के भारत के अभिभावक के रूप में उनकी पहचान है।

आज का राशिफल

15 अप्रैल 2024
सोमवार

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन उत्तम रहेगा। काम को वक्त पर पूरा करे। कार्यक्षेत्र में सफलता हासिल करेंगे। किसी भी तरह की जल्दबाजी ना करें। सुखद समाचार मिलेगा। दांपत्य जीवन की समस्याये काम होगी।

वृषभ
दिन बेहतर रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। धन कमाने के कई मौके मिलेंगे। व्यापार में अच्छी प्रगति के योग हैं। व्यस्तता ज्यादा रहेगी। निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

मिथुन
दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार आएगा। रुके हुए सभी कार्य पूरे होगे। सही और ग़लत का भेद करके ही कोई निर्णय लें। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। कोई अच्छी खबर मिलेगी।

कर्क
दिन बढ़िया रहेगा। रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सफलता मिलेगी। कार्यस्थल पर किसी से वाद-विवाद करने से बचें। काम में थोड़ी बाधाएं आएंगी। परिवार का पूरा पूरा सपोर्ट मिलेगा।

सिंह
दिन खास रहेगा। साझेदारी में कोई नया व्यापार शुरू कर सकते हैं। महत्वपूर्ण लाभ होगा। पारिवारिक सुख शांति बनी रहेगी। धार्मिक गतिविधियों में एक्टिव रहेंगे। वाद विवाद से बचे।

कन्या
दिन बेहतरीन रहेगा। अपनी योग्यता से परिवार का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। अच्छा धन लाभ होगा।

तुला
दिन सामान्य रहेगा। विचारों में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा। सभी चुनौतियों को दर किनार कर तरक्की की राह पर आगे बढ़ेंगे। व्यापार में उत्तम लाभ मिलेगे। खर्चों पर नियंत्रण करे।

वृश्चिक
दिन बढ़िया रहेगा। घर में कोई बड़ा उत्सव होगा। पारिवारिक माहौल धार्मिक और शांतिपूर्ण रहेगा। मन में कुछ नया सीखने की इच्छा जगेगी। नए महत्वपूर्ण लोगों से आज आपकी मुलाकात होगी।

धनु
दिन सफलता भरा रहेगा। कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त होगी। साझेदारी में कोई व्यापार कर रहे हैं तो थोड़े उतार-चढ़ाव की स्थिति बनेगी। लवमेट्स के बीच अनबन होगी।

मकर
दिन अच्छा रहेगा। पारिवारिक जीवन में अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। घर के सदस्यों में आपसी सौहार्द बना रहेगा। महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा।

कुंभ
दिन शुभ रहेगा। घर में कोई शुभ कार्य संपन्न हो सकता है। रिश्तों में मजबूती आएगी। काम को लेकर दबाव महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में योजनाएं अच्छे परिणाम देंगे। बिजनेस में उन्नति होगी।

मीन
दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में काबिलियत से बेहतर परफॉर्म करेंगे। बहुत अच्छी सफलता मिलेगी। आमदनी बढ़ेगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ कोई नया व्यापार शुरू करेंगे।

भीमराव अंबेडकर की जयंती एवं शाहिद गुरदास चटर्जी का श्रद्धांजलि कार्यक्रम

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद): झरिया बेरा कोलियरी में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का जयंती एवं शाहिद गुरदास चटर्जी का श्रद्धांजलि कार्यक्रम संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में मजदूर एवं प्रबंधन की ओर से मनाया गया. दोनों के चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर मजदूर नेता आनंद मय पाल ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर हमेशा गरीब मजदूर किसान नौजवानों के लिए सोचते थे। संविधान का रचयिता थे। जबकि शाहिद गुरदास चटर्जी को आज ही के दिन असामाजिक तत्वों के लोग और माफियाओं ने गोविंदपुर देवली में गोली मारकर हत्या कर दी वे धनबाद से मजदूरों का मीटिंग करके जा रहे थे गुरदास चटर्जी हमेशा मजदूर और किसान के लिए संघर्ष किया हम लोगों को उनके बताए गए मार्ग पर चलकर मजदूर आंदोलन को आगे बढ़ाना है यही सच्ची श्रद्धांजलि है। मौके पर प्रबंधन की ओर से बी डी सिंह जबकि अन्य लोगों में आसित चटर्जी, प्रभास पाल, पतित पावन माजी, रामबदन राम, महेश कुमार, लीला चौहान, ललन कुमार, आनंद लाल महतो, नरेश रजक, रूपलाल बेलदार आदि थे।

कार्यक्रम में भाजपा सांसद प्रत्याशी ढुल्लू महतो का किया स्वागत

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (झरिया): रविवार को बाबासाहेब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की 133वीं जयंती में बस्तकोला में उनकी प्रतिमा पर सभी धर्म और जाति के लोगो ने फूल माला अर्पण कर कोटि-कोटि नमन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राम सेवक पासवान ने किया व संचालन ओबीसी एससी एसटी एवं माइनॉरिटी के जिला महासचिव गोपाल यादव ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित बाघमारा के विधायक और भाजपा के लोकसभा के प्रत्याशी ढुलू महतो को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। मौके पर ढुल्लू महतो ने कहा कि उन्हे संविधान निर्माता इसलिए कहा जाता है क्योंकि भारतीय संविधान के निर्माण में उनका अमूल्य योगदान था साथ ही दलित समाज के लिए भी बाबासाहेब ने महत्वपूर्ण कदम उठाए। युवा के लिए प्रेरणा है बाबा साहब के अनमोल विचार, पर चलने का संकल्प हम सभी ले। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता योगेंद्र यादव, राजकुमार अग्रवाल, सत्येंद्र सिंह, उचित महतो, पूर्व पार्षद अनूप साव, संतोष, रामजी यादव, संजय राम, राजू पासवान, रूपेश गुप्ता, चिंटू शर्मा, सुधीर यादव, प्रेम पासवान, प्रमोद वर्मा, सरिता सिंह, पारस यादव, महेंद्र पासवान, संतोष शर्मा, रंजीत कुमार दास, बबलू अंसारी, उमेश यादव बापी बाउरी रामदेव शर्मा, तरुण राय समेत क्षेत्र के सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

चुनाव प्रचार के दौरान गम्हरिया में भाजपा-झामुमो कार्यकर्ताओं में झड़प, हरवे-हथियार से लैस थे कुछ लोग

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद/रांची): झारखंड में लोकसभा चुनाव 2024 से पहले ही सरायकेला-खरसावां जिले में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ने लगी है, जिले में गम्हरिया के मोहनपुर में प्रचार के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकर्ताओं के बीच रविवार (14 अप्रैल) को झड़प हो गई, भीड़ में मौजूद कुछ लोग हरवे-हथियार से लैस दिख रहे हैं, गम्हरिया में गीता कोड़ा पहुंची थीं चुनाव प्रचार करने, भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा गम्हरिया प्रखंड का दौरा करने के लिए रापचा पंचायत के मोहनपुर पहुंचीं थीं, इसी दौरान झामुमो कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं की झड़प हो गयी, इस दौरान दोनों पक्षों के बीच राज्य सरकार व केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी हुई.झामुमो-भाजपा कार्यकर्ताओं में हुई धक्का-मुक्की बताया जा रहा है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई, कहा जा रहा है कि वहां के लोगों का कहना है कि हमने गीता कोड़ा को वोट देकर जिताया, लेकिन 5 साल में एक बार भी उन्होंने क्षेत्र का भ्रमण नहीं किया. उल्टे भाजपा में शामिल होकर मतदाताओं का अपमान किया।

एक नाबालिग और दो महिलाओं समेत 15 माओवादियों ने अपने हथियार डाल दिए

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद): लोकसभा चुनाव से पहले झारखंड के सुरक्षा बलों ने एक बड़ी सफलता हासिल हुई. झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में बृहस्पतिवार को वांछित मिसिर बेसरा के दस्ते से जुड़े एक नाबालिग और दो महिलाओं के साथ 15 माओवादियों ने अपने हथियार डाल दिए. पुलिस ने यह जानकारी दी. नक्सली दक्षिणी झारखंड के कोल्हान क्षेत्र में एशिया के सबसे घने जंगल सारंडा में ये ग्रुप सक्रिय था. यहां सुरक्षा बलों ने उग्रवादियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया है.

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा की बृहस्पतिवार को 15 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है. वो सारंडा में सक्रिय थे और भाकपा (माओवादी) पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा के दस्ते के सदस्य थे, जिसके सिर पर 1 करोड़ रुपये का इनाम है. पश्चिमी सिंहभूम को देश के सबसे ज्यादा वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में से एक माना जाता है. पिछले साल यहां 46 माओवादी घटनाएं हुईं, जिनमें 22 लोगों की मौत हुई थी.

पश्चिम सिंहभूम के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने बताया की यह एक बड़ी उपलब्धि है और सिंहभूम निर्वाचन क्षेत्र में बिना किसी डर के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में ये घटना एक महत्वपूर्ण योगदान देगी. पुलिस मुख्यालय से जारी एक बयान में कहा गया है की संयुक्त सुरक्षा बलों ने विशेष रूप से माओवादियों के ईआरबी (पूर्वी क्षेत्रीय ब्यूरो) कमान को निशाना बनाया और हमारे निरंतर अभियानों के बाद कोल्हान क्षेत्र से उनके ईआरबी मुख्यालय को नष्ट कर दिया गया है.

एक बयान में कहा गया है कि यह बात काफी महत्वपूर्ण है कि ये सभी लोग पश्चिमी सिंहभूम जिले के निवासी हैं और माओवादी नेताओं की करतूतों से असंतुष्ट हैं. जानकारी के मुताबिक आत्मसमर्पण करने वाले कुछ माओवादी सात-आठ सालों से सक्रिय थे. झारखंड की सिंहभूम लोकसभा सीट के माओवादी गढ़ के कई अंदरूनी इलाकों में 13 मई को पहली बार या दशकों के लंबे अंतराल के बाद मतदान होगा. सारंडा में रहने वाले लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने में सक्षम बनाने के लिए मतदान कर्मियों और सामग्रियों को हेलीकॉप्टरों से पहुंचाया जाएगा.

केंदुआ मंडल बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में सम्मिलित हुए भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद): भाजपा धनबाद लोकसभा प्रत्याशी ढुल्लू महतो केंदुआ मंडल बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में करकेंन्द रानी सती दादी मंदिर में शामिल हुए। अध्यक्षता आनंद खंडेलवाल ने और धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री रंजय सिंह ने किया।। भाजपा लोकसभा उम्मीदवार ढुल्लू महतो जी ने सबसे पहले दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी, और बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण किया, तत्पश्चात कार्यक्रम प्रारम्भ हुई। कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ अपने उम्मीदवार का स्वागत फूल माला, भगवा वस्त्र से किया। ढुल्लू महतो ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के हाथों को मजबूत करने के लिए आपका सहयोग आवश्यक है,

आज हमारा देश मजबूत हाथों में है, मोदी जी के द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों को देखकर विपक्ष घबरा गया है, आज धनबाद के अधूरे पड़े विकाश कार्यो को पूरा करूँगा यह ढुल्लू महतो का संकल्प है।

बूथ के भाजपा कार्यकर्ताओं के ताकत के सामने कोई खड़ा नही हो सकता, आज धनबाद के ग्रामीण सहित सहर का हर नागरिक मोदी जी को पुनः प्रधानमंत्री बनाना चाहती है, केंदुआ मंडल के समस्त कार्यकर्ता पूरी मुस्तेदी से लग जाये। उन्होंने अबकी बार 400 पार, भारत माता की जय का उदघोष करके कार्यकर्तों का मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर सभी बूथ अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता शमील हुए। लोकसभा प्रभारी सतेंद्र कुमार ने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया और चुनावी टिप्स दिए।। पूर्व मेयर शेखर अग्रवाल ने कहा मोदी सरकार के द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों की जानकारी लेकर एक एक दरवाजे तक जाए।

भाजयुमो नेता तमाल राय ने कहा आज विपक्ष के पास कोई उम्मीदवार नही मिल रहा। रमेश राही ने एक एक बूथ अध्यक्ष से जानकारी लिया। मंडल प्रभारी अशोक सिन्हा ने कहा केंदुआ मंडल पूरे विधानसभा मे अव्वल रहेगा।

मौके पर अशोक सिन्हा, रवि सिन्हा, श्याम गुप्ता, तेज बहादुर सिंह, अभिमन्यु सिंह, मेघनाथ वर्मा, महेंद्र बरनवाल, रामदेव महतो, गोविंदा राउत, भानु महतो, मीना देवी, पूनम सिंह, गीता सिंह, बबलू सिंह, मनोज पासवान, बैजनाथ बाउरी, बसंत यादव, कृष्ण मोदी, चंदन पांडे, श्रीराम चौरसिया, धनंजय श्रीवास्तव, मुन्ना विश्वकर्मा, मोनू अग्रवाल, अजय वर्मा, धीरज तिवारी, रामकेश गुप्ता, सुनील शर्मा, विनय सिंह, नवीन वर्मा, मनोज चौहान, पलक धारी राजभर, दीपक कर्मकार, हीरालाल महतो, राजा चौरसिया, गोपाल साहू आदि बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता शामिल थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद): झरिया, बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की 133वी जयंती के उपलक्ष पर आज झरिया बस्ताकोला मंडल स्थित उनके प्रतिमा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी वही इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती रागिनी सिंह ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की वही अपने संबोधन में श्रीमती सिंह ने कहा कि बाबा साहेब की बाते सदैव याद रखी जाएगी ऐसे महापुरुष सदियों में जन्म लेते है और उनके विचारों द्वारा वो सदैव याद रखे जाएंगे। इस दौरान बस्ता कोला मंडल अध्यक्ष संतोष शर्मा, जिला उपाध्यक्ष उमेश यादव, राज किशोर जैना, बप्पी बाउरी|

इवनिंग वॉक पर निकली महिला के गले से सोने की चेन झपट ली

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद): कुसुम विहार में इवनिंग वॉक पर निकली महिला के गले से बाइक सवार उचक्कों ने सोने की चेन झपट ली। घटना शनिवार शाम सात बजे की है। कुसुम विहार की गीता देवी अपने पति दयानंद राम के साथ शाम को सात बजे इवनिंग वॉक पर निकली थी। दोनों पति-पत्नी आगे पीछे चल रहे थे, इसी बीच बाइक पर सवार दो युवक गीता के पास पहुंचे। इससे पहले कि वह कुछ समझ पार्ती, उचक्कों ने उसके गले से चेन झपट ली और भाग निकले।

पुलिस ने वर्षो से फरार वारंटी को किया गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद): केंदुआडीह पुलिस ने बीती रात कतरास पुलिस की सहयोग से ST/471/0 9 धारा 399/ 402/ 414 /34 भादवी एवं 25 (1-b)a/ 26/35 आर्म्स एक्ट के फरार स्थाई वारंटी टेनिया उर्फ टेनी पासी पिता लखन पासी साकीम कुसुंडा हाजरा बस्ती थाना केंदुआडीह को कतरास लकड़का बस्ती से गिरफ्तार कर थाना लाया गया है। टेनी पासी वर्ष 2002 में डकैती की तैयारी करने के क्रम में आग्नेयास्त्र के साथ गिरफ्तार हुए थे। वर्ष 2004 में न्यायालय से जमानत मिलने के बाद से लगातार फरार चल रहे थे थे। वर्तमान में वो अपना पहचान छुपा कर कतरास में रह रहा था। जिसकी गुप्त सुचना मिलने पर केंदुआडीह पुलिस ने उसे धर दबोचा।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह गुरुद्वारा पहुंची

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद): झरिया, जामाडोबा डुमरी 2 नंबर में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा द्वारा आयोजित बैसाखी (खालसा सिरजना दिवस) पर आयोजित कार्यक्रम को लेकर आज भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह गुरुद्वारा पहुंची जहा श्रीमती सिंह ने माथा टेक कर आशीर्वाद लिया एवं भजन कीर्तन में सम्मिलित हुई जहा गुरुद्वारा प्रबंधन समिति सदस्यों ने श्रीमती रागिनी सिंह को अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया। इस दौरान मुख्य रूप से गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के प्रधान सरदार सुरेंद्र सिंह सचिव सरदार अर्जुन सिंह के अलावा सैकड़ों की संख्या में सिख श्रद्धालु मौजूद थे।

संस्कृत पाठशाला में विद्यार्थियों ने श्री राम की स्तुति का अभ्यास किया

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद): झरिया, 14 अप्रैल को श्री सत्यनारायण मंदिर स्टेशन रोड झरिया में संस्कृत पाठशाला में विद्यार्थियों ने आज आगामी रामनवमी को ध्यान में रख कर भगवान श्री राम की स्तुति का अभ्यास किया. इसके अलावा संस्कृत संभाषण अंताक्षरी पहाड़ा एवं विभिन्न देवी देवताओं के श्लोक कंठस्थ कराए गए। संस्कृत पढ़ाने का कार्य हरीश कुमार जोशी अधिवक्ता ने किया एवं प्रसाद वितरण बलदेव पांडे एवं स्व प्रफुल सेठ की स्मृति में उनके परिवारजनों ने किया। इस अवसर पर हर्षिका गोयल चेल्सी गोयल याचना कुमारी महिमा कुमारी सिंह अंशिका भट्ट तृषा कुमारी वर्मा प्रतिज्ञा कुमारी आस्था कुमारी बेबी कुमारी रानी कुमारी सगुण कुमारी संजना कुमारी दीपिका कुमारी श्रेया कुमारी खुशी कुमारी ऋतुराज कुमार सूरज ठक्कर अनमोल कुमार रुद्रा भट्ट अर्णव कुमार साव हर्ष साव राजवीर कुमार उज्ज्वल कुमार दिव्यांश कुमार अर्णव कुमार वर्मा आर्यन कुमार साव योगेंद्र साव बमबम पांडे वंदना पांडे श्रीमती गीता पांडे साहिल सेठ इत्यादि उपस्थित थे।

डिगवाडीह में आम आदमी पार्टी कार्यालय की उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद): झरिया, भारत रत्न बोधिसत्व संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के 134वां जन्मदिवस धनबाद जिला झरिया विधानसभा अंतर्गत डिगवाडीह में आम आदमी पार्टी कार्यालय की उद्घाटन करते हुए "संविधान बचाओ तानाशाही हटाओ" का कार्यक्रम का आरंभ बाबा साहेब के तस्वीर पर माला पहनकर तथा पुष्प देकर मनाया गया तत्पश्चात भारत के संविधान का प्रस्तावना सभी लोगों को पढ़ाया गया तथा सभी लोगों ने शपथ लिया कि भारत के संविधान को तथा लोकतंत्र को बचाना है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी धनबाद जिला संरक्षक महेंद्र सिंह जिला महासचिव मदन राम जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार बुद्धिजीवी मंच के सचिव रविंद्र नाथ सिंह सकेला बानो सायरा बेगम आयशा खातून नूरेसा खातून कुरेशा खातून मोहम्मद अहमद अलीम अंसारी शमशाद अंसारी मुन्ना खरवार आदित्य नारायण मोहम्मद सदीक राजेश सरकार महेंद्र कुमार अनवर अंसारी धनबाद प्रखंड अध्यक्ष रॉकी मंडल बधाई भोजपुरी मैथिली संस्कृति बचाओ मंच से जितेंद्र पासवान जसीम अंसारी आलोक खरवार संतोष महफूज आलम राजू पंडित सूरज कुमार आदि मौजूद थे।

डीएसएसएम एसएफआई ने डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की 133वी जयंती मनाया

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद): झरिया, भारत की जनवादी नौजवान सभा लोदना एरिया कमिटी डीएसएसएम एसएफआई ने डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की 133वी जयंती पूर्ण मर्यादा के साथ मनाया. सबसे पहले उनकी मूर्ति पर माला अर्पण किया गया और नारा लगाया गया बाबा साहब भीमराव अंबेडकर अमर रहे संविधान रचयिता बाबा का भीमराव अंबेडकर हम तुम्हे नहीं भूलेंगे संविधान की रक्षा के लिए आम जनता एक हो संविधान की रक्षा कौन करेगा हम करेंगे हम करेंगे आदि गगन भेदी नारे लगाए गया। इस अवसर में वक्ताओं ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किन परिस्थितियों के साथ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर देश के अंदर में सामाजिक न्याय के लिए जीवन भर संघर्ष करते रहे और देश के अंदर में संविधान बनाया और सबको महिला पुरुष को मजदूर किसान छात्र नौजवान सभी के लिए समान अधिकार संविधान में दिया आज मौजूदा सरकार इस संविधान को बदलकर देश के अंदर में मनुवाद को लागू करना चाहती है जिसे भारत की जनवादी नौजवान सभा दलित मुक्ति मंच एसएफआई कमर कस के मैदान में आंदोलन करने को तैयार है और पूरे देश में आंदोलन कर रही है और नारा दिया है संविधान बचाओ देश बचाओ वक्ताओं में दलित शोषण मुक्ति मंच के राष्ट्रीय सचिव शिवबलक पासवान जिला सचिव नौशाद अंसारी कुंदन पासवान रामबारी प्रजा पासवान संतोष रजक भगवान दास पासवान नीरज पासवान राजेंद्र पासवान सोनू पासवान सुरेंद्र पासवान भोला माली आदि सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

शमीम शाह ने सभी से मतदान करने का आह्वान किया

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद): वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन के आवासीय कार्यालय फुसबंगला में मतदान जागरूकता कार्यक्रम रखा गया जिसमें जिला अध्यक्ष शमीम शाह ने सभी से मतदान करने का आह्वान किया तथा बाबा साहब की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर डा॰ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि के रूप में बलविंदर सिंह, जिला महासचिव मोहम्मद कलाम जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवीण सिंह संजीत सिंह जवाहर यादव जिला सचिन फैयाज अंसारी मोहम्मद कलाम आसिफ खान मोहम्मद सफीक खान मोहम्मद अख्तर शाह दीपांकर चटर्जी वकील तथा वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शहजादी खातून प्रदेश उपाध्यक्ष ममता देवी जिला सचिव रेखा देवी नाम जिला अध्यक्ष रीता कुमारी गिरिजा देवी नूरजहां खातून गायत्री देवी आदि लोग शामिल रहे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

बंगाली कल्याण समिति ने बंगाली नववर्ष पर आयोजित किया भव्य प्रभात फेरी

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (धनबाद): रविवार को बंगाली नववर्ष 1431 का स्वागत करने की एक अनोखी प्रयास बंगाली कल्याण समिति द्वारा किया गया। प्रति वर्ष की भांति बंगाली कल्याण समिति ने एक भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया था जिसमे करीब 500 लोग शामिल हुए। प्रभात फेरी का प्रारंभ जे सी मल्लिक रोड से हुआ। मनीष मेडिकल, पार्क मार्केट, हीरापुर बाजार समिति, शक्ति मेडिकल से होते हुए हरी मंदिर में प्रभात फेरी का समापन हुआ।

इस प्रभात फेरी को बड़े ही खूबसूरती से बंगला गीत और नृत्य से सजाया गया था। इसमें धनबाद के विशिष्ट संगीत शिल्पी इंद्रजीत चैटर्जी, अरूण बनर्जी, श्याम

बनर्जी, कुमकुम बनर्जी शामिल थे। साथ ही मास्टर कुशान सेनगुप्ता, मास्टर अरिजित बनर्जी, मास्टर निर्झर बक्शी एवं अनुश्री बनर्जी ने मनमोहक गीत प्रस्तुत किए। इसमें धनबाद के 8 नृत्य विद्यालय के बच्चे शामिल थे। बच्चों ने अति उत्तम नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। नृत्य विद्यालय की मेंटर संचिता बक्शी, समृद्ध चौधरी, अंकिता बनर्जी, शम्पा बनर्जी, आरती साव, सास्वती सेन एवं स्रोतोस्विनी रॉय को समिति ने विशेष रूप से सम्मानित किया। डॉक्टर सुजाता चैटर्जी और सुजीत राय के कंठ में कविगुरु रवींद्रनाथ की कविता अभिसार का सस्वर पाठ और जोली घोष की उस कविता का आंगिक रूप सबको बेहत पसंद आया। सभी गुणी शिल्पी को समिति के सम्मानित सदस्यों द्वारा स्मारक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर वीणा अग्रवाल उपस्थित थीं। उन्होंने बंगाली कल्याण समिति को नववर्ष की सुभेच्छा देते हुए समिति के इस कार्यक्रम की खूब प्रशंसा की। बंगाली कल्याण समिति के सभी पुरुष और महिला सदस्यों के योगदान से यह अनुष्ठान सफल हुआ। महिलाएं पारंपरिक लाल पार सफेद साड़ी और पुरुष कुर्ता पजामा में दिखे। इस अनुष्ठान में हमारे सहायक थे पार्क मार्केट चेंबर ऑफ कॉमर्स, चिरागोरा चैंबर ऑफ कॉमर्स, हीरापुर हरी मंदिर, मारवाड़ी युवा मंच और शक्ति मेडिकल। समिति ने सभी के लिए जलजोग का आयोजन किया था। अनुष्ठान का संचालन बिकास कांति खां और संगीता गांगुली द्वारा किया गया।

माता का छठा भव्य, विराट स्वरूप माँ कात्यायनी

नवरात्रि का पवित्र छठा दिवस

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल 2024: कात्यायनी नवदुर्गा या हिंदू देवी पार्वती (शक्ति) के नौ रूपों में छठवें रूप में अबतरित हुई है। यह अमर कोष में पार्वती के लिए दूसरा नाम है, संस्कृत शब्दकोश में उमा, कात्यायनी, गौरी,काली, हैमावती, ईश्वरी इन्हीं के अन्य पवित्र नाम भी उल्लेखित हैं। शक्तिवाद में उन्हें शक्ति या दुर्गा, जिसमें भद्रकाली और चंडिका भी उच्चारित किया जाता है। यजुर्वेद के तैत्तिरीय आरण्यक में उनका उल्लेख प्रथमतः किया है।

स्कंद पुराण में उल्लेख है कि वे परमेश्वर के नैसर्गिक क्रोध से उत्पन्न हुई थी, जिन्होंने देवी पार्वती द्वारा दिए गये सिंह पर आरूढ़ होकर महिषासुर का वध किया था। वे शक्ति की आदि रूपा है, जिसका उल्लेख पाणिनि पर पतांजलि के महाभाष्य में किया गया है, जिसे दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में लिखी गयी थी। उनका वर्णन देवी-भागवत पुराण,और मार्कंडेय ऋषि द्वारा रचित मार्कंडेय पुराण के देवी महात्म्य में किया गया है जिसे ४०० से ५०० ईसा में लिपि बद्ध किया गया था। बौद्ध और जैन ग्रंथों और कई तांत्रिक ग्रंथों, विशेष रूप से कालिका-पुराण (१०वीं शताब्दी) में उनका उल्लेख है, जिसमें उद्यान या उड़ीसा में देवी कात्यायनी और भगवान जगन्नाथ का स्थान बताया गया है।परंपरागत रूप से देवी दुर्गा की तरह वे लाल रंग से जुड़ी हुई हैं। नवरात्रि उत्सव के षष्ठी में उनकी पूजा की जाती है। उस दिन साधक का मन 'आज्ञा' चक्र में स्थित होता है। योगसाधना में इस आज्ञा चक्र का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इस चक्र में स्थित मन वाला साधक माँ कात्यायनी के चरणों में अपना सर्वस्व निवेदित कर देता है। परिपूर्ण आत्मदान करने वाले ऐसे भक्तों को सहज भाव से माँ के दर्शन प्राप्त हो जाते हैं।माँ का नाम कात्यायनी कैसे पड़ा इसकी भी एक कथा है- कत नामक एक प्रसिद्ध महर्षि थे। उनके पुत्र ऋषि कात्य हुए। इन्हीं कात्य के गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यायन उत्पन्न हुए थे। इन्होंने भगवती पराम्बा की उपासना करते हुए बहुत वर्षों तक बड़ी कठिन तपस्या की थी। उनकी इच्छा थी माँ भगवती उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लें। माँ भगवती ने उनकी यह प्रार्थना स्वीकार कर ली।

कुछ समय पश्चात जब दानव महिषासुर का अत्याचार पृथ्वी पर बढ़ गया तब भगवान ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीनों ने अपने-अपने तेज का अंश देकर महिषासुर के विनाश के लिए एक देवी को उत्पन्न किया।

महर्षि कात्यायन ने सर्वप्रथम इनकी पूजा की। इसी के फलस्वरुप यह कात्यायनी कहलाईं।ऐसी भी कथा मिलती है कि ये महर्षि कात्यायन के वहाँ पुत्री रूप में उत्पन्न हुई थीं।

आश्विन कृष्ण चतुर्दशी को जन्म लेकर शुक्त सप्तमी, अष्टमी तथा नवमी तक तीन दिन इन्होंने कात्यायन ऋषि की पूजा ग्रहण कर दशमी को महिषासुर का वध किया था।माँ कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं। भगवान कृष्ण को पतिरूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं की पूजा कालिन्दी-यमुना के तट पर की थी। ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं।माँ कात्यायनी का स्वरूप अत्यंत तेजस्वी और भास्वर है। इनकी चार भुजाएँ हैं। माता जी का दाहिनी तरफ का ऊपर वाला हाथ अभय मुद्रा में तथा नीचे वाला वरमुद्रा में है। बाईं तरफ के ऊपरवाले हाथ में तलवार और नीचे वाले हाथ में कमल-पुष्प सुशोभित है। इनका वाहन सिंह है।माँ कात्यायनी की भक्ति और उपासना द्वारा मनुष्य को बड़ी सरलता से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति हो जाती है। वह इस लोक में स्थित रहकर भी अलौकिक तेज और प्रभाव से युक्त हो जाता है।

नवरात्रि का छठा दिन माँ कात्यायनी की उपासना का दिन होता है।

इनके पूजन से अद्भुत शक्ति का संचार होता है व दुश्मनों का संहार करने में ये सक्षम बनाती हैं।

इनका ध्यान गोधुली बेला में करना होता है। प्रत्येक सर्वसाधारण के लिए आराधना योग्य यह श्लोक सरल और स्पष्ट है। माँ जगदम्बे की भक्ति पाने के लिए इसे कंठस्थ कर नवरात्रि में छठे दिन इसका जाप करना चाहिए।

'या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:॥ अर्थ: हे माँ!
सर्वत्र विराजमान और शक्ति-रूपिणी प्रसिद्ध अम्बे, आपको मेरा बार-बार प्रणाम है।
या मैं आपको बारंबार प्रणाम करता हूँ। इसके अतिरिक्त जिन कन्याओ के विवाह में विलम्ब हो रहा हो,
उन्हें इस दिन माँ कात्यायनी की उपासना अवश्य करनी चाहिए,
जिससे उन्हे मनोवान्छित वर की प्राप्ति होती है। विवाह के लिये कात्यायनी मन्त्र-
ॐ कात्यायनी महामाये महायोगिन्यधीश्वरि!
नंदगोपसुतम् देवि पतिम् मे कुरुते नम:।।
माँ को जो सच्चे मन से याद करता है उसके रोग, शोक, संताप, भय आदि सर्वथा विनष्ट हो जाते हैं। जन्म-जन्मांतर के पापों को विनष्ट करने के लिए माँ की शरणागत हो कर उनकी पूजा-उपासना के लिए तत्पर होना चाहिए।
"जय माता कात्यायनी की जय"।

संजीव ठाकुर
(वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक)
संकलनकर्ता, चिंतक स्तंभकार
रायपुर, छत्तीसगढ़

लोकतंत्र में यह अपराध नहीं है

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल 2024: राजनीति में अपराधियों पर आपके क्या विचार हैं? अपराधियों को राजनीति में आने से रोकना होगा। पवित्र और शुद्ध राजनीति ही हमारा लक्ष्य है। तो यह मान लें कि आपने अपनी पार्टी के सदस्यों की सूची में अपराधियों को मौका ही नहीं दिया। कोई भी अपराधी नहीं है हमारे प्रत्याशियों में। सभी सुशील सज्जन हैं भई!

अपराधियों को टिकट देकर तो चूंकि उनके ही जीतने के आसार हैं इसलिए हमने टिकट दिया, यह कारण न्यायालय नहीं मानेगा जैसी कि चर्चा है। उस बारे में आप क्या कहते हैं? जहां-तहां छोटे-मोटे आपराधिक मामले अगर दर्ज हैं कहीं, तो हमारे विरोधी पक्षों के लोगों द्वारा बनाए गए हैं। उनको आपराधिक मामले जैसी बड़ी संज्ञा से क्यों विभूषित कर रहे हैं? लेकिन आपकी पार्टी के कुछ लोगों पर तो, कहा जा रहा है कि, बड़े-बड़े मामले हैं अपराध के। यह सब हमारी विरोधी पार्टियों की साजिश है। सच तो यह है कि अन्य पार्टियां ही अपराधियों को बगल में लिए फिर रही हैं।

अगर सारी पार्टियां दोष सामने वाली पार्टियों पर थोप दें तो प्रश्न यह उठता है कि अपराधी प्रत्याशी कौन है? किस पार्टी से है? ये जो अपराध जैसे दिख रहे हैं, सब वास्तव में जनता के लिए की गई लड़ाइयां हैं, आंदोलन वाले ही सब मामले हैं। उनमें खुद के लिए किया गया या खुद का कोई जुर्म नहीं है। जानते हैं हम जनसेवक हैं? अमुक चुनावी क्षेत्र के आपके उम्मीदवार पर बम फेंकने के मामले हैं, ऐसा पुलिस के रिकॉर्ड में है। बहुत पहले पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं द्वारा मजाक मजाक में पाँच हज़ार वाला दिवाली पटाखा फोड़ने पर धुआं धुआं हो गया। धमाके की आवाजें आईं। धूल उड़ी। जनता डर कर दौड़ भाग करने लगी। भीड़-भाड़ से दबकर दस लोग मर गए बीस लोग घायल हुए। उसे ही भ्रम से बम आक्रमण का मामला बनाकर थाने में रपट लिखवाई गई।

यह भी मालूम हुआ कि ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया गया जिस पर खून का इल्जाम है। इस पर आप क्या कहेंगे? वह सब झूठ है। दो गुटों की लड़ाई में हमारे उस उम्मीदवार ने जाकर दोनों पक्षों को शांत कराने की कोशिश की। एक व्यक्ति के सीने में भोंके गए छुरे को निकालने लगे, तो बस उस पर झूठा मामला बना दिया। गुंडा एक्ट, जमीन जायदादों पर कब्जा, झगड़े निपटाकर या पंचायत करके पैसे लेना, अपहरण, नकली शराब जैसे कई मामलों में आप की पार्टी के प्रत्याशियों पर एफ आई आर दर्ज हुए हैं न।

सिर्फ एफ आई आर क्यों देखते हैं आप? जनसेवा जो उन्होंने किया उसे देखिए। लॉकडाउन के समय प्रवासी मजदूर जब बिना खाना, बिना पानी। बच्चों को गोद में उठाकर छाले पड़े पैरों के साथ जा रहे थे, तब हमारे उत्साही नेताओं ने उन्हें कितना आसरा दिया! प्रेरणा दी! आपको क्या मालूम?

मतलब उन लोगों ने मजदूरों को खाना खिलाया? उन्हें पीने का पानी या छाछ दिया पीने को? क्या बसों, ट्रकों का इंतजाम कर उन्हें गांवों तक छोड़ आए? क्या पैरों में मरहम लगाकर, दवाइयां देकर मालिश किया? नहीं वह सब तो कोई भी करेगा। हमारे नेता सड़कों के किनारे तंबू लगाकर, झंडे दिखाते हुए मजदूरों का स्वागत किया, उन्हें विदाई दी। उन पर फूलों की वर्षा की। प्रिय हीरो की फिल्म के रिलीज होने पर जिस तरह बड़े बड़े तोरण और झंडे लगाते हैं, ऐसा लगाकर अपनी जनसेवा की आकांक्षा को सिद्ध किया है।

तो आपके अनुसार यह सारा कुछ जनसेवा है जो आप के तथाकथित नेताओं ने किया। जनता के लिए जो भी किया जाए, सेवा ही तो है। छोटी सेवा पर बड़े-बड़े बैनर लगाकर फ्लेक्सी द्वारा उसके प्रचार-प्रसार का जो मुद्दा उन्होंने उठाया। उस निस्वार्थ सेवा के लिए उन्हें टिकट दिया गया है।

नेताओं द्वारा दलित और गरीबों पर हमले के कई मामले कोर्ट कचहरी में लंबित पड़े हैं। उन पर आपका ध्यान नहीं गया? वे सारे मामले राजनीति से प्रेरित हैं। गरीबों को अन्न दान और वस्त्र दान का कार्यक्रम चल रहा था। भीड़ बढ़ गई और हमारे नेताओं ने उन्हें तितर-बितर करने बेंत उठाए और दो-चार लगाया था कि हालात सामान्य हो। बाद में पता चला कि बेंत खाने वाले दलित थे गरीब थे इसलिए मामले दर्ज हुए। एक उम्मीदवार पर खून का मुकद्दमा, दूसरे पर बलात्कार का मामला, तीसरे पर दहेज हत्या के प्रकरण दर्ज हैं शायद? क्या कहना है आपका? बहुत पहले हमारे उम्मीदवार कारों के झुंड के साथ जाते समय पीछे से तेज आती और इनके कॉन्वॉय को पीछे छोड़ जाती एंबुलेंस के ड्राइवर को रोका गया और उससे पूछा गया कि इतनी तेजी से क्यों चला रहे हो और ऐसे में एक्सिडेंट नहीं होगा? पूछने पर ड्राइवर ने रोगी और आपात स्थिति की बात बताई। बात बढ़ी और मारपीट हुआ। ड्राइवर के सिर पर लाठी से मार कर खून का झूठा मामला दर्ज किया गया। सहायता के लिए आई महिला के सिर पर हाथ रख कर आशीष देते समय उसका आंचल गिर गया और फिर उसे बलात्कार का मामला बना दिया गया। बीवी से लड़ाई के वक्त धक्का-मुक्की में बीवी को धक्का लगा। वह चूल्हे पर गिरी और जलकर मर गई। इस पर दहेज हत्या का मामला बना दिया गया।

आपके प्रत्याशियों पर सरकारी संपत्ति की तोड़फोड़, जंगली जानवरों के शिकार के मामले क्या हैं? सरकारी अस्पताल में रोगियों को फल बांटने गई हमारी महिला नेता को जब अंदर नहीं जाने दिया गया तो कार्यकर्ता गुस्से में थोड़ी बहुत तोड़फोड़ किए, जिससे अस्पताल के उपकरण, खिड़कियां, ऑपरेशन थिएटर को थोड़ा बहुत नुकसान हुआ। बस मामला बना दिया गया। ब्रेड, अंडे, फल बांटने के पीछे उस महिला नेता का सेवा भाव देखना था न कि मामला बनाना। एक और हमारे प्रत्याशी बड़े चाव से देसी मुर्गी का मांस खा रहे थे। उन्हें पकड़कर जंगली जानवरों के शिकार का मामला बना दिया गया। गरीबों के पैसे लूटने वाले वसूल राजा हैं, उनको भी आपने शायद टिकट दिया है? गरीबों को मकान, राशन कार्ड, पेंशन, ऋण दिलाने के एवज में अगर कार्यकर्ताओं के बीयर और बिरयानी के लिए कुछ पैसे सेवा शुल्क के रूप में ले लिए तो उसे अपराध मानेंगे आप? लूट मानेंगे?

मतलब यह सारी जो बातें हमने कहीं हैं, आपकी नजर में जुर्म नहीं हैं? अपराध नहीं हैं? हमारे नेताओं की जनसेवा के आगे यह सब क्या है? हमारे नेता समाज में प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। अपनी जाति, अपने वर्ग पर उनका भारी नियंत्रण है। अपने कार्यकर्ताओं पर अंकुश रखने वाले सज्जन व्यक्ति हैं। अधिकार चलाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उसे ही मापदंड मान कर जनता को चाहिए कि वोट दें। इसलिए कि अपराध जो है वह नेताओं के नहीं हैं। आरोप लगाने वाले निम्न स्तरीय राजनीतिज्ञों के बनाए हुए अपराध हैं। वोटों की कसम ये सब अपराध नहीं हैं।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

लोग जब मुझे समझ पाएंगे, तब मैं जीवित न रहूं: डॉ भीमराव अंबेडकर

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल 2024: अपने पिता राम जी की चौदहवीं संतान डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के महू छावनी में हुआ था। उनकी माता का नाम भीमाबाई था। उस समय पिता रामजी सिपाही होते थे। रामजी सकपाल ने एक आदर्श पिता के रूप में विपरीत परिस्थितियों में भी अपने पुत्र भीमराव को उच्च शिक्षा देने का संकल्प किया था। उसके अनुसार ही भीमराव भी आगे बढ़ते चले गए। उन्हें आभास हो गया था कि भीमराव भविष्य में भारत के इतिहास की महत्वपूर्ण कड़ी बनने जा रहा है।।

भारतीय समाज और सभ्यता का अतीत बड़ा शानदार रहा है, लेकिन उसमें अनेक कलंक भी हैं, प्राचीन हिंदुस्तानी अंग्रेज, मुस्लिम और राजाओं द्वारा मनुष्य को गुलाम रखने की प्रथा थी। इन गुलामों का सामाजिक आर्थिक शोषण की परंपरा भी विद्यमान थी। भारतीय परंपरा में सबसे बड़ा कलंक अस्पृश्यता अथवा छुआछूत की भी प्रथा चली आ रही थी। जोकि जाति प्रथा के पतन का परिणाम है। भारतीय संविधान द्वारा कानूनी तौर पर इस कलंकित प्रथा को समाप्त कर दिया गया है। इसमें हमारे संविधान के जनक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की भूमिका बहुत अहम रही है। वस्तुतः डॉक्टर अंबेडकर भारतीय समाज के शोषित दलित वर्ग के सबसे बड़े सशक्त प्रवक्ता रहे हैं। वे जीवन पर्यंत सभी प्रकार के सामाजिक, राजनीतिक, और आर्थिक विषमताओं के विरुद्ध लड़ते रहे।

विश्व का इतिहास गवाह है। कि जो वर्तमान की जमीन पर खड़ा होकर आने वाले कल के लिए जीता है। कल का रास्ता बताता है, उसका लोगों ने हर तरह से विरोध किया है। यहां यह भी सत्य है कि ऐसे समाज सुधारकों का जितना विरोध होता है। उतना ही शक्ति और गति से समाज सुधार के कार्य मूर्त रूप लेने लगते हैं। नए लोग इस विचारों से जुड़ने लगते हैं और कारवां आगे बढ़ता चला जाता है। इसी श्रृंखला के अग्रणी वीर महार जाति में जन्मे और देश के दलित वर्ग के मसीहा कहलाने वाले डॉक्टर अंबेडकर के जीवन यात्रा के विभिन्न आयाम दिखाई पड़ते हैं। समाज सुधारक के रूप में डॉक्टर अंबेडकर का दृढ़ निश्चय था, कि वे भारतीय समाज से अस्पृश्यता का कलंक मिटा कर ही दम लेंगे। छोटी जाति में उत्पन्न होने के कारण वे जीवन भर तिरस्कृत होते रहे थे। अस्पृश्यता निवारण हेतु उन्होंने अनेक ऊंचे पदों पर सेवारत होने का अवसर त्याग दिया। और सामाजिक तथा राजनीतिक अधिकारों के लिए संघर्ष में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया। उन्होंने एक अवसर पर कहा है---- "मैंने यह प्रण किया है कि मैं उन दबे कुचले लोगों की, जिनमें मैं उत्पन्न हुआ और पला बढा, और रह रहा हूं... इनकी सेवा करता हुआ ही मरूंगा! छुआछूत को समाप्त करना मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।"

डॉ. आंबेडकर हमेशा राजनीति को सामाजिक परिवर्तन के औजार के रूप में इस्तेमाल करने के पक्षधर रहे हैं। वह अच्छी तरीके से जानते थे कि यह तथ्य और विषय आज के परिवेश में कितना प्रासंगिक, तर्क पूर्ण और न्याय संगत है। जो लोग उन्हें सिर्फ दलितों का मसीहा और पिछड़ों का नेता मानते हैं उनके हृदय में गहराई तक देशभक्ति की भावना विकसित करना और क्षमता पूर्ण समाज के लिए उनका जीवन संघर्ष शाश्वत मानव मूल्यों के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिज्ञाएं और कानून की अधुनातन विचार व्याख्या की अनूठी शैली डॉक्टर अंबेडकर के व्यक्तित्व को बहुआयामी बनाती है।

डॉक्टर अंबेडकर का आर्थिक दर्शन, भारत के संविधान में मौलिक अधिकारों पर मानव अधिकारों की बड़ी स्पष्ट छाप है। जो कि मानव अधिकारों और देशकाल की सीमाओं से कहीं आगे है। भारत के बहुसंख्यक लोग अनेक शताब्दियों तक परतंत्र, विवश और गरीबी की मार से पीड़ित रहे। शिक्षा दीक्षा, खानपान, मान सम्मान, समानता से विरत रहना, और इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है। डॉक्टर अंबेडकर के लिए स्वतंत्रता संघर्ष मात्र राजनीतिक स्वतंत्रता का संघर्ष नहीं था वह उसे मानव अधिकारों का संघर्ष भी मानते थे। सामाजिक परिवर्तन का जो दौर डॉक्टर अंबेडकर के समय में प्रारंभ हुआ था वह अधिक दिनों तक जारी नहीं रह सका। संविधान सभा में डॉक्टर अंबेडकर बार-बार सामाजिक और आर्थिक विसंगतियों की ओर ध्यान दिलाते रहे वे तो यहां तक कहते थे कि संविधान की रक्षा तभी संभव है जब इन विसंगतियों से हम पार पा सकें।

संविधान के प्रणेता के रूप-- में स्वतंत्रता के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरु के मंत्रिमंडल में उन्हें कानून मंत्री बनाया गया। वे स्वतंत्र भारत के लिए बनाए जाने वाले संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भी बनाए गए। 19वीं सदी के शुरू में डॉक्टर अंबेडकर ने संविधान का प्रारूप तैयार करने का काम पूरा किया और उसे संविधान सभा में पेश कर दिया। नवंबर 1949 में कुछ संशोधनों सहित यह प्रारूप उस समय लोकसभा में स्वीकार कर लिया गया। संविधान में अनेक प्रावधान किए गए हैं जिनमें अनुसूचित जाति जनजाति एवं पिछड़ों को सामाजिक न्याय दिलाया जा सके इस बारे में संवैधानिक अनुच्छेद 15, 16, 27, 46, 332 और 340 प्रमुख हैं। डॉक्टर अंबेडकर का यह मानना था कि परंपरागत धार्मिक मूल्यों का परित्याग किया जाना चाहिए और नए विचारों को अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने संविधान में उल्लिखित प्रावधानों में सभी के लिए समानता, एकता, सम्मान, स्वतंत्रता, अधिकारों और नागरिक अधिकारों पर विशेष जोर दिया।

डॉक्टर अंबेडकर पत्रकार के रूप में -- इन्होंने 21 जनवरी 1920 को एक अखबार "मूकनायक" को सप्ताहिक अखबार के रूप में प्रारंभ किया। इस अखबार का उद्देश्य था भारत के दलित वर्ग की समस्याओं के हित के लिए संघर्ष करना। इस सप्ताह के प्रथम अंक के संपादकीय में उन्होंने लिखा-- "आज जितने भी समाचार पत्र मौजूद हैं, वह सब किसी ने किसी जाति के हितों की रक्षा में लगे हुए हैं। वह अन्य जातियों के हितों की ओर दृष्टिपात भी नहीं करते हैं। हमारा यह देश विषमताओं का मायका है। सत्ता और धन के अभाव में अब्राह्मण तथा दलित वर्ग प्रगति से वंचित हैं। गरीबी, अयोग्यता और असमानता ने विशाल दलित समाज को गहरे गर्त में डाल रखा है।"

3 अप्रैल 1927 को डॉ अंबेडकर साहब ने एक अन्य अखबार पत्र शुरू किया इसका नाम था। "बहिष्कृत भारत"! डॉक्टर साहब ने नए सुधारों के परिप्रेक्ष्य में इस पत्र के माध्यम से दलित वर्गों की समस्याओं को सशक्त रूप से उठाया। डॉक्टर अंबेडकर ने इस पत्र के माध्यम से समाज से यह भी मांग की कि सारे मंदिर और जल स्रोतों पर अछूतों का प्रवेश हो और उन्हें उपयोग करने का अधिकार भी मिले। डॉक्टर अंबेडकर का ज्ञान अध्ययन अगाध था। वे विभिन्न विषयों के ज्ञाता थे। वे बड़ी मेहनत से आंकड़े इकट्ठा करते थे। तथ्यों और आंकड़ों के लिए उनकी स्मरण शक्ति भी गजब की थी! संघर्ष के उन दिनों में उन्हें उपेक्षा के उन कमजोर क्षणों में यह भी कहना पड़ गया था-- "अंततः लोग मुझे अभी समझ नहीं पाए हैं! और मुझे उपेक्षित दृष्टि से देखा जाता है। एक समय आएगा जब इस देश के लोग मुझे ठीक प्रकार समझ पाएंगे 'और सम्मान करेंगे'! लेकिन वह समय जब आएगा जब मैं जीवित नहीं रहूंगा"।

सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

एक मुलाकात भारत देश में मिरर इमेज मेन नाम से जाने, जाने वाले -- पियूष गोयल से

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल 2024: वाकई अगर कुछ ठान ली जाए कुछ अलग कर दिखाने की तो उस लक्ष्य के प्रति किस कदर एक जुनून सवार होता है। इसका जीता-जागता अगर कोई उदाहरण है तो वो हैं पीयूष कुमार गोयल जी, जिनसे मेरी पहली मुलाकात दिल्ली के कबीर कोहिनूर सम्मान समारोह में हुई थी वर्ष 2023 में तब बातचीत के दौरान एक दूसरे से फोन नम्बर साझा कर भविष्य में दोनों का लेखक होने के कारण सम्पर्क में रहेंगे सहसम्मान और आज वो छोटी सी मुलाकात मुझे उस प्रतिभा के धनी इंसान से जोड़ बैठी, जिसकी कल्पना मैंने कभी भी नहीं की थी। आइये आप सभी को भी इन मिरर इमेज मेन नाम से जाने, जाने वाले लेखक से और उनकी प्रतिभा से अपने शब्दों में बयान कर मिलवाती हू।

पीयूष कुमार गोयल (दादरीवाला), जिनका जन्म 10 फरवरी, 1967 को कुंभ राशि में हुआ था, एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। जो कि पिता डॉ. देवेन्द्र कुमार गोयल और माँ रविकांत के बड़े बेटे हैं। शिक्षा में विशेष रूची होने के कारण उन्होंने बहुत सी डिग्रीयों को प्राप्त किया - डिप्लोमा इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग, डिप्लोमा इन मटेरियल मैनेजमेंट, डिप्लोमा इन वास्तु शास्त्र और डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट भी किया। भगवान में परम आस्था रखने वाले पीयूष गोयल जी को रचनात्मक, ईश्वर में विश्वास, प्रेम और मित्रता में भी बहुत विश्वास है। वो अपने चार बहन भाइयों में सबसे बड़े हैं। पिता जी सरकारी नौकरी (डॉक्टर) में रहे. पिता जी की सरकारी नौकरी होने के कारण जगह-जगह उनका तबादला होता रहा जिसके चलते उन्हें बहुत से शहरों में रहने का मौक़ा मिला और शिक्षा भी सहारनपुर (सब्दलपुर) व मथुरा (चौमुहाँ) में हुई, उसके बाद डिप्लोमा यांत्रिक इंजीनियर की पढ़ाई के लिए उन्हें ३ साल मुज़फ़्फ़रनगर में रहना पड़ा। उसके बाद पहली नौकरी सोनीपत, फिर पिलुखवा उसके बाद सूरजपुर फिर से सोनीपत और अब सूरजपुर में ही हुई। सूरजपुर जहां वो नौकरी करते हैं उनकें पैतृक घर दादरी उत्तर प्रदेश से सिर्फ़ १० किमी दूर हैं। इस समय वह ५७ वर्ष के हैं।

पीयूष गोयल 'दादरीवाला' ने मिरर इमेज (मतलब की आईने की उलटी छवी जैसी, आम लेखन विद्या के विपरीत दिशा में) श्रीमद् भगवत गीता लिखी है। ऐसा अनोखा तरीका अपनाने के लिए आखिर उन्हें किससे प्रेरणा मिली होगी? जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने बताया कि सन् 2000 में एक हादसे ने उनकी जिंदगी बदल दी थी 2003 में श्रीमद्भगवद्गीता पर एक कथा का आयोजन हुआ था, वे प्रतिदिन उस कथा रस का आनंद लेने के लिये दिन में दो बार जाते थे। अंतिम दिन शाम को उनके मन में एक विचार आया, "क्यों न मैं श्रीमद्भगवद्गीता को दर्पण छवि में लिखना शुरू करूँ?", फिर उन्होंने हिंदी में लिखना शुरू किया परंतु विपरीत दिशा में लिखा। हिंदी में पूरा करने के बाद उन्होंने इसे अंग्रेजी में भी लिखना शुरू किया (सभी 18 अध्याय, 700 छंद।)

पीयूष जी कहते हैं, ''यह मिरर इमेज में लिखी गई दुनिया की पहली भगवत गीता है। मैंने यह महाकाव्य अपनी हस्तलिपि से दो भाषाओं हिंदी और अंग्रेजी में लिखा। सभी 18 अध्यायों और 700 छंदों को दर्पण के सामने पढ़ा जा सकता है।'' यह उपलब्धि निश्चित रूप से उस व्यक्ति की इच्छा शक्ति को दर्शाती है जिसने पढ़ने योग्य हर चीज़ को दर्पण के सामने रख दिया। वह कहते हैं, "बचपन से ही मुझे शीशे के सामने हर चीज़ की नकल करने की तीव्र इच्छा थी। हालाँकि मैं इस असामान्य कला को हासिल करने के बारे में निश्चित नहीं था, फिर भी मैंने यह कर दिखाया।" उन्होंने याद किया कि कैसे एक दुर्घटना ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। वर्ष 2000 में मैं एक गंभीर दुर्घटना का शिकार हो गया और काफी समय तक बिस्तर पर पड़ा रहा। वह बताते हैं, ''उस समय मैंने यह कला विकसित कर ली थी।'' इन्हीं पीयूष गोयल जी को अब "मिरर इमेज मैन" के नाम से जाना जाता है । उनकी इस कला की लोकप्रियता ने उनके अंदर ओर भी अधिक कुछ अलग करने का जैसे जुनून सा सवार हो गया जिसके चलते उन्होंने और भी कई तरह से पुस्तकों को लिखा और अब सिर्फ मिरर मेन कहलाने वाले व्यक्तित्व के धनी आज मेरी नज़रों में तो कोई मिरिकल मेन ही लग रहे जिन्होंने देखिए किस तरह से अलग-अलग तरह से किताबों को लिखा जिसका वर्णन नीचे कर रही मैं।

इस समय उनके पास पेन, सुई, मेहंदी कोन, लोहे की कील, कपड़े, कोन लाइनर, कार्बन पेपर, लकड़ी के पेन और स्याही के साथ हस्तलिखित मिरर इमेज पुस्तकें हैं।

2003 से 2022 तक पीयूष गोयल ने 17 आध्यात्मिक और विश्व प्रसिद्धि पुस्तकें अपने हाथों से मिरर इमेज में अलग-अलग तरीकों से पूरी की हैं।
1.श्रीमद्भगवद्गीता हिंदी भाषा में
2.अंग्रेजी भाषा में श्रीमद्भगवद्गीता
3.संस्कृत भाषा में श्री दुर्गा सप्तसती
4.हिंदी भाषा में श्री साईं सच्चरित्र
5.अंग्रेजी भाषा में श्री साईं सच्चरित्र
6-7.सुन्दरकाण्ड (2 बार)
8.श्री राम चरित मानस (केवल दोहा, सोरटे और चौपाई)
9.स्वर्गीय हरबंस राय बच्चन की मधुशाला(सुई से)
10.रवीन्द्र नाथ टैगोर की गीतांजलि (मेहंदी से)
११.एल्युमीनियम शीट पर पीयूष गोयल की पीयूष वाणी(कील से)
१२.पारदर्शी शीट पर पीयूष गोयल की पीयूष वाणी(Fabric कोन Liner).
१३.ए-4 श्वेत पत्र पर विष्णु शर्मा का पंचतंत्र(कार्बन पेपर से).
१४.लकड़ी की कलम की मदद से जादुई शीट पर श्री अटल बिहारी वाजपेई की मेरी 51 कविताएँ
१५.चाण्क्य नीति १६.गम एंड ग्लू से पीयूष वाणी १७.भगवान गणेश स्रोत (Fluid पेन से).पीयूष जी की तीन पुस्तकें वृंदावन में संग्रहालय" वृंदावन शोध संस्थान" में रखी हैं.

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर, महाराष्ट्र

आधुनिक भारत के निर्माता- डॉ. अंबेडकर

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल 2024: विश्व पटल पर एक आधुनिक, लोकतांत्रिक और सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण भारत के लिए संघर्ष में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका कई अन्य उत्कृष्ट राष्ट्रीय हस्तियों की बनिस्बत वर्तमान समय में बहुत बढ़ गई है।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय सामाजिक इतिहास में एक बड़े मानवतावादी चिंतक और आन्दोलनकर्मी के रूप में विख्यात हैं। देश भर में वह दलितों के मुक्तिदाता के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने दलित, वंचित एवं महिलाओं के मानवीय अधिकारों के साथ समतामूलक समाज की स्थापना के लिए संघर्ष किया।उनके व्यक्तित्व में एक अर्थशास्त्री, राजनेता, दार्शनिक, समाजशास्त्री, शिक्षाविद्, कानूनविद इत्यादि सब समाहित है। भारतीय संविधान के वह निर्माता हैं। संविधान द्वारा दलित-वंचित वर्गों के हितों के संरक्षण हेतु उन्होने ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने भारतीय समाज में शोषण की आधार-भूमि वर्ण-जाति-व्यवस्था को समूल नष्ट करने के लिए कठोर श्रम और संघर्ष किया।बाबा साहेब का मानना था कि भारत के गाँव दलितों के शोषण के कारखाने हैं। गांवों में दलितों के साथ सबसे ज्यादा भेदभाव, अन्याय और दमन होता है। इसीलिए उन्होंने दलितों को गांव से बाहर निकल कर शहरों की तरफ जाने की सलाह दी। उन्होंने देखा था कि गांव में दलित ही मरे जानवर उठाते हैं, मल-मूत्र उठाते हैं। उन्हें मन्दिरों में जाने नहीं दिया जाता,सार्वजनिक तालाबों और कुओं से पानी नहीं लेने दिया जाता है। स्कूलों में मास्टर पढ़ाई के बजाय दलित बच्चों से सफाई का काम कराते हैं।जबकि शहरों में ऐसा नही होता है। शहरों में कोई भी जबरदस्ती पुश्तैनी (पारंपरिक) काम धंधों से नहीं बंधा होता। वह अन्य कार्य कर सकता है। इसलिए उन्होंने मरे जानवर उठाना, मलमूत्र ढोना इत्यादि पुश्तैनी काम धंधो को छोड़ने की बात कही है।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर लोकतान्त्रिक आन्दोलनकर्मी के रूप में जाने जाते हैं। दलितों की मुक्ति के पर्याय के रूप में देश के कोने-कोने में मौजूद हैं। उन्होंने भारतीय समाज में दलित, वंचित एवं महिलाओं के लिए एक वैकल्पिक समाज की स्थापना का बीजारोपण किया। उनके व्यक्तित्व में एक अर्थशास्त्री, राजनेता, दार्शनिक, शिक्षाविद्, कानूनविद् है। उनमें संविधान निर्माता के साथ-साथ सक्रिय आन्दोलनकर्मी के भी गुण नजर आते हैं।उन्होंने भारतीय समाज में जड़ें जमाये शोषणकारी जाति व्यवस्था का ऐतिहासिक विश्लेषण प्रस्तुत किया।

बाबा साहेब का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के मऊ में हुआ था। इसके बाद पिताजी को नौकरी के कारण इन्हें वहां से महाराष्ट्र में जाना पड़ा। बचपन से ही बाबा साहेब ने छूआछूत का क्रूर दंश झेला था। यही कारण था कि वे जाति व्यवस्था के विरोधी हो गए। इसलिए उनका मानना था कि जाति व्यवस्था इंसानियत के लिए कलंक है। यह एक बेहतर समाज निर्मा

बाबा साहब के सपनों का भारत बनाने के लिए कटिबद्ध एवं संकल्पित है संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी- विजय शंकर नायक

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (रांची): सम्पूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखण्ड प्रभारी विजय शंकर नायक ने डोरण्डा अम्बेडकर चौक में पार्टी की ओर से बाबा साहब अम्बेडकर को माल्यार्पण करने के क्रम मे कही।

उन्होंने आगे कहा कि झारखण्डी समाज आज बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करे और बाबा साहब के बताए हुए मार्ग पर चल कर शिक्षित बने और संगठित होकर अपने हक और अधिकार के लिए संघर्ष तेज करे ताकि संवैधानिक अधिकार की रक्षा किया जा सके।

श्री नायक ने आगे कहा कि आज कुछ बाबा साहब विरोधी ताकते बाबा साहब द्वारा निर्मित संविधान को बदलने का मंसूबे पाल रखे हैं जिसे हमें समझना होगा और वैसे ताकतो को मुंहतोड़ जवाब देना होगा नहीं तो आने वाले दिनों में दलित आदिवासी मूलवासी बाबा साहब अंबेडकर समर्थकों को इसके दुष्परिणाम भोगना होगें।

इन्होंने यह भी कहा की हमें वैसे ताकतो से सजग रहकर उनके मंसूबों को नेस्तनाबूद करना होगा। आज जो बाबा साहब अंबेडकर द्वारा रचित संविधान से पूरा देश खासकर दलित आदिवासी मूलवासी दबे कुचले वर्ग जो सुरक्षित हैं अगर संविधान बदल गया तो देश एवं दलित आदिवासी मूलवासी एवं दबे कुचले वर्ग सुरक्षित नहीं रह पाएंगे इसलिए हमें संकल्प करना होगा कि हम किसी भी कीमत में बाबा साहब द्वारा रचित संविधान की रक्षा करेंगे।

महागठबंधन के चुनावी कार्यालय का हुआ शुभारंभ, चुनाव प्रचार को बनी टीम

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के शेरमारी में महागठबंधन के लोकसभा प्रत्याशी अजित शर्मा का चुनावी कार्यालय का शुभारंभ पूर्व विधायक रामविलास पासवान, अनुसूचित जनजाति प्रदेश अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह गौड़ सहित अन्य गणमान्य लोगों ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर महागठबंधन के सभी घटक दल के प्रखंड अध्यक्षों ने नारियल फोड़ कर कार्यालय का बिधिवत शुभारंभ कर प्रत्याशी अजीत शर्मा के जीत को सुनिश्चित करने हेतु प्रचार प्रसार का शंखनाद किया। उसके उपरांत सभी नेताओं कार्यकर्ताओं की एक बैठक कांग्रेस नेता मुजाहिद की अध्यक्षता में हुई। जिसमें प्रखंड स्तरीय चुनाव समिति में सभी घटक दलों के अध्यक्षों को शामिल किया गया है।

कांग्रेस नेता सह प्रखंड प्रभारी रंजन यादव ने बताया कि प्रचार प्रसार समिति का गठन कर लिया गया है एवं जिला परिषद क्षेत्र वाइज चार जोन में बांट कर क्षेत्र वाइज प्रभारी नियुक्त कर दिये गये हैं। उन्होंने बताया की पीरपैंती से लोकसभा चुनाव लड़ रहे आदिवासी समाज और आरजेडी के नेता मुखिया रमेश टुडू ने तेजस्वी यादव के प्रति अपनी आस्था जताते हुये महा गठबंधन प्रत्याशी अजीत शर्मा को अपना समर्थन दिया। इस दौरान लोकसभा निर्दलीय प्रत्याशी रमेश टुडू, कांग्रेस अध्यक्ष राजेश तिवारी, सुनील आजाद, गोपीचंद यादव, राजद मंडल अध्यक्ष रंजीत साह, मुरली यादव, जौंनिसार असलम, सीपीआईएम नेता अवधेश पोद्दार, सीपीआई प्रदीप तांती, अशोक यादव, जिप सदस्य कैलाश यादव, मुखिया पिन्टू यादव, कुंदन यादव, पैक्स संघ अध्यक्ष प्रभात कुमार प्रफुल्ल, सीताराम यादव, सुभाष कुशवाहा, दिनेश महतो, कुन्दन कुमार, शैलेन्द्र यादव, राजद महिला अध्यक्ष आरती कुमारी सहित महागठबंधन के सभी घटक दलों के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डा०अम्बेडकर आधुनिक भारत के निर्माता-शिवनाथ

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती:- श्रीमतपुर हुजूरनगर पंचायत के विनोबाटोला स्थित गौरीविन्देश्वरी निवास में शिक्षक शिवनाथ रविदास की अध्यक्षता में संविधान निर्माता डॉ० भीमराव अम्बेडकर की १३३वीं जयंती धूमधाम से मनायी गयी। मौके पर पूर्व मुखिया प्रत्याशी नीतु कुमारी, शिक्षिका कंचन कुमारी, न्याय मित्र सियाराम रविदास, शिक्षक श्रीमान भारत विकास, सोनिया देवी, समाजसेवी बरुण कुमार, रजनी कुमारी, ओमराम, हेगुरु, बोलोबम, स्वीटी, शिक्षा, दर्शना, मोनी, विशाल, विक्की, समीक्षा, करिश्मा, लाडली आदि मौजूद थीं। सर्वप्रथम शोभायात्रा निकाली गई तत्पश्चात सबने बाबा साहब के तैलचित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन-दर्शन पर अपने-अपने विचार प्रकट किए।

बाबा साहेब की जयंती पर किड्स एजुकेशन सेंटर में बच्चो को किया गया पुरस्कृत

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (निरसा): किड्स एजुकेशन सेंटर बेलचढी में बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती 2023-24 के टॉप थर्ड बच्चों के द्वारा केक काटकर मनाई गई। धनबाद मिड टाउन के रोटेरियन तथा अन्य अधिकारी गण एवं अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संघ निरसा के राज्य संयोजक प्रणव सेनगुप्ता तथा जिला संयोजक डॉ संतोष राय द्वारा बच्चों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य सीता देवी एवं जीवन घोष के सहयोग से बच्चों के लिए बाबासाहेब से संबंधित क्विज का आयोजन किया गया जिसका संचालन हरेंद्र यादव ने किया। विद्यालय में बच्चों द्वारा नृत्य, भाषण भी दिए गए। रोटेरियन के द्वारा विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं तथा विद्यालय कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संघ तथा सावित्री मेमोरियल एजुकेशनल ट्रस्ट के द्वारा विद्यालय के बच्चों तथा आसपास के राहगीरों को प्रसाद स्वरूप खीर का वितरण किया गया, जिसमें प्रणव सेन गुप्ता, संतोष राय, मोहम्मद फिरोज अंसारी, दीपक सर, संदीप दास जितेंद्र चौहान, आकाश सर की अहम भूमिका रही।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड कार्यालय परिसर में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे प्रखंड के सभी उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिमन्यु कुमार ने उपस्थित लोगों को चुनाव से संबंधित कई जानकारियां दी। साथ हीं 26 अप्रैल को होने वाले लोक सभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान करने का अपील किया। भाषण प्रतियोगिता मे प्रथम कनक कुमारी उच्च माध्यमिक विद्यालय टड़वा, द्वितीय अंकित शर्मा उच्च विद्यालय शेरमारी, तृतीय समीक्षा रानी कन्या उच्च विद्यालय शेरमारी सहित अन्य चयनित प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह व मैडल देकर सम्मानित किया गया। वहीं एसडीपीओ 2 डॉ० अर्जुन कुमार गुप्ता, सीओ मनोहर कुमार, एमओ श्याम सुंदर, पीओ देवेश कुमार गुप्ता, बीईओ बलदेव ठाकुर, बीसीओ संजय ठाकुर, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० सुकेश कुमार ने प्रशाल में उपस्थित अभिभावक, शिक्षक व छात्र-छात्राओं से अपने संबोधन में कहा कि मतदान संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है। इसलिए मताधिकार का प्रयोग कर सशक्त राष्ट्र निर्माण, शिक्षित और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार बनाने के लिए मतदान जरूर करें। साथ हीं पड़ोस के लोगों को भी जागरूक करे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन शिक्षक भगवती शरण पाण्डेय ने किया। वहीं प्रधानाध्यापक मनीष राम, ओम कुमार, विश्वजीत कुमार, लाल बहादुर मंडल, सर्वोत्तम कुमार शर्मा, सुकेश कुमार, कुमार सुंदरम सहित अन्य शिक्षक व कर्मी उपस्थित रहे।

माँ कात्यायनी के प्रसन्न होने से होती है चारों फलों की प्राप्ति

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: चैत्र नवरात्रि के छठे दिन माँ दुर्गा के छठे स्वरूप अलौकिक तेज की स्वामिनी देवी कात्यायनी की पूजा किया गया। मान्यता है कि माँ कात्यायनी की पूजा करने से भक्तों को आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। माँ कात्यायनी का स्वरूप अत्यंत चमकीला और तेजमय है। इनकी चार भुजाएं हैं। दाईं तरफ का ऊपर वाला हाथ अभयमुद्रा में रहता है। वहीं नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में है। माँ कात्यायनी अपनी बाईं तरफ के ऊपर वाले हाथ में तलवार धारण करती हैं व नीचे वाले हाथ में कमल का फूल सुशोभित रहता है। धर्म शास्त्रों के जानकार योगीवीर पहाड़ी के महंथ आचार्य माई जी महाराज ने बताया कि देवी कात्यायनी की पूजा पूरी श्रद्धा भाव से करने पर विवाह में आ रही दिक्कतें दूर होती हैं। साथ ही सुंदर रूप और कमनीय काया की प्राप्ति होती है। इस दिन प्रातः काल में स्नान आदि से निवृत्त होकर गंगाजल से आचमन करें। फिर देवी कात्यायनी का ध्यान करते हुए उनके समक्ष धूप दीप प्रज्ज्वलित करें। रोली से माँ को तिलक करें। अक्षत अर्पित कर पूजन करें। माँ कात्यायानी को उड़हल या लाल रंग का फूल चढ़ाकर प्रिय भोग में शहद का भोग लगाना चाहिए। इससे मां प्रसन्न होती हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं।

धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब की जयंती

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के बाराहाट ईशीपुर में बाबा साहब डॉ०भीमराव अंबेडकर की जयंती प्रखंड प्रमुख रश्मि कुमारी व पंचायत समिति सदस्य मंटू रजक के नेतृत्व में धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान बाबा साहब के तैल चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित की गई। वहीं प्रमुख रश्मि कुमारी के द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला गया। ग्रामीणों के द्वारा दलित भवन के प्रांगण में ईंट सोलिंग तथा चार दिवारी के निर्माण कराने की मांग की गई। इस दौरान संयोजक गोपाल कुमार रजक के द्वारा बाबा साहब अंबेडकर के जीवन संघर्ष एवं उनके संविधान निर्माण में योगदान को लोगों के समक्ष बताया गया साथ ही कहा गया कि शिक्षा ही वह अधिकार है जिसके माध्यम से गरीबी की जंग, असुविधाओं की जंग, संसाधनों की जंग को जीता जा सकता है। बिना शिक्षा के जीवन बिना रीढ़ वाले जीव के समान होता है जो सही से चल नहीं पाता है और जीवन भर रेंगता रहता है, उन्होंने कहा कि अगर बाबा साहब नहीं होते तो आज भी निम्न वर्ग के लोग समाज के अन्य वर्गों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य नहीं कर पाते। आज प्रत्येक क्षेत्र में दलित महादलित पिछड़े वर्ग के लोग देश के उत्थान में अहम भूमिका निभा रहे हैं और यह सिर्फ बाबा साहब की बदौलत हो रहा है। इस कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य अभिषेक कुमार के द्वारा किया गया। वहीं सुशील कुमार साह, पिंटू कुमार, अमरेश कुमार रजक, रामानंद ठाकुर सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

आईआईटी खड़गपुर- प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने से होगा सर्व कल्याण

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (खड़गपुर): विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के सचिव अभय करंदीकर ने आईआईटी खड़गपुर में भारत सरकार के एक प्रमुख कार्यक्रम, परिष्कृत विश्लेषणात्मक और तकनीकी सहायता संस्थान (साथी) सुविधा का उद्घाटन किया। समारोह में आईआईटी खड़गपुर के निदेशक प्रो. वी. के तिवारी, उप निदेशक; प्रो अमित पात्रा, प्रो रिंटू बनर्जी, रबीब्रत मुखर्जी, बड़ी संख्या में संस्थान के छात्र, संकाय और स्टाफ उपस्थित थे।

अपनी प्रारंभिक टिप्पणी के दौरान प्रो.डीएसटी के सचिव अभय करंदीकर ने "साथी" प्रतिष्ठान की रणनीति के बारे में जोर दिया, जो एक सहयोगी ढांचे के भीतर साझा उपकरणों और आसपास के एमएसएमई, स्टार्ट-अप, उद्योगों और शैक्षणिक संगठनों के साथ नेटवर्किंग के साथ कायम है। सुविधा की स्थापना का नेतृत्व करते हुए, नई सामग्रियों, नवीन उत्पादों और उन्नत सामग्रियों के लक्षण वर्णन में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि इस दृष्टिकोण को अपनाकर, डीएसटी जीवंत वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र का नेतृत्व करने के लिए विविध विशेषज्ञता, क्षेत्रीय शक्ति और संस्थागत श्रेष्ठता के अभिसरण को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।

उन्होंने कहा "देश के पहले और सबसे बड़े आईआईटी का दौरा करना खुशी की बात है, जिसका गहरा ऐतिहासिक महत्व है और जिसने भारत में तकनीकी अध्ययन की नींव रखी है। आईआईटी खड़गपुर ने हमेशा प्रौद्योगिकियों को बदलने और तकनीकी प्रवेश के स्थायी सुधारों के शीर्ष पर अध्ययन किया है। यह पहल बेहतर सामाजिक पहुंच हासिल करने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), उद्योगों और स्टार्ट-अप और वैज्ञानिकों सहित क्षेत्र के भीतर विभिन्न संस्थाओं को सक्रिय भागीदारी के लिए एक गर्मजोशी से निमंत्रण देती है। ऐसे सम्मोहक प्रस्तावों के साथ, साथी कार्यक्रम में देश के अनुसंधान एवं विकास बुनियादी ढांचे के परिदृश्य को मजबूत करने की क्षमता है।

प्रो .वी के तिवारी, निदेशक, आईआईटी खड़गपुर ने संस्थान द्वारा अपनी केंद्रीय अनुसंधान सुविधा को जनता के लिए उपलब्ध कराने के लिए की जा रही विभिन्न पहलों के बारे में विस्तार से बताया।

मांसाहार से ऐसी-ऐसी बीमारियां आएगी जब तक दवा खोजेगे बहुत लोगों का राम नाम सत्य हो जाएगा -त्रिकालदर्शी संत उमाकांत जी महाराज

कोरोना रोग बीमारियों का एक तरह से ट्रेलर था, पिक्चर तो आगे चालू होगी

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (उज्जैन): इस समय के महापुरुष, पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि किसी भी पशु-पक्षी का मांस मत खाना। अगर खाओगे तो अभी आपने रोग क्या देखा है, खून जब बेमेल होता है तो तरह-तरह की बीमारियां आ जाती हैं। ये कोरोना अभी तो कुछ भी नहीं है, आगे देखिएगा।

बीमारियों की दवा खोजने पर नहीं मिलेगी। आज से चार-पांच साल पहले ही इस बात को कहा करता था कि ऐसी ऐसी बीमारियां आएंगी, जब तक दवा खोजोगे तब तक बहुत से लोगों का राम नाम सत्य हो जाएगा। देखो ये एक तरह से कुदरत का ट्रेलर है तकलीफों और बीमारियों का। पिक्चर तो अभी आगे चालू होगी।

मन पर काबू पाना एक तरह से लोहे का चना चबाना है

इस कलयुग के मलिन युग में आदमी मन का गुलाम बन रहा है जानते हुए भी की इसका परिणाम बुरा होगा लेकिन आदमी उसको कर रहा है।

दुःख-सुख एक सिक्के के दो पहलू हैं। अगर इस तरह लोग शरीर को पापी बना करके नरकों की तरफ न भागते जाते, नरकों में जीवों के जाने की संख्या न बढ़ती, प्रेत योनी में न जाते, प्रेतों की संख्या न बढ़ती तो सन्तों को यंहा आने की क्या जरूरत थी। गुरु महाराज जैसे सन्त को इस धरती पर आने और कष्ट झेलने की क्या जरूरत थी। ऐसे समय पर सन्तों का आना हुआ।

सबसे बड़ी दक्षिणा

आप अपनी बुराइयों को यही छोड़ जाओ। यही होगी आपकी सबसे बड़ी दक्षिणा। अभी तक आपकी वजह से जीव हत्या हुई, वह अब न हो। पैसे वाले लोग कहते हैं कि हम मछली बकरा आदि मारते नहीं है, हम तो पैसा देकर मांस मछली खरीद कर लाते खाते हैं।

लेकिन अभी मांस मछली खाना लोग बंद कर दे तो कोई मछली बकरा मारेगा? जीव हत्या बहुत बड़ा पाप होता है। जिस जीव को आप बना नहीं सकते हो, उसको मिटाने के हकदार भी नहीं हो। कहा गया है- जो गल काटे और का, अपना रहा कटाये, साहब के दरबार में, बदला कहीं न जाए। बदल देना पड़ता है इसलिए इनकी रक्षा करो।

सैंकड़ों मील दूर से कर रहे हैं अपने बचपन के स्कूल को सहयोग

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (राजस्थान): पिण्डवाड़ा के नांदिया गांव में नियुक्त शिक्षक और बारां जिले के ठूँसरा गाँव के मूलनिवासी एवं राउमावि ठूंसरा के पूर्व छात्र श्री गुरुदीन वर्मा सुपुत्र स्वर्गीय श्री घांसीलाल जी बैरवा ने अपनी मातृभूमि के विद्यालय के छात्रों को डिजिटल लर्निंग से जोड़ने के लिए अपनी सुपुत्री मिहीका वर्मा के जन्मदिन के उपलक्ष पर एक 40 इंच स्मार्ट टेलीविजन विद्यालय को भेंट किया है। श्री वर्मा अभी सिरोही में रहते हैं अतः उन्होंने यह टीवी अपने परिजनों व मित्रों के माध्यम से विद्यालय को भेंट की है।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति की और से उनके परिजनों और मित्रों का अभिनंदन किया गया साथ ही भामाशाह बनकर शिक्षा में योगदान के लिए गुरुदीन वर्मा जी का आभार प्रकट किया गया। एसडीएमसी सचिव जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि श्री गुरुदीन वर्मा एक अच्छे शिक्षक के साथ साथ अच्छे साहित्यकार भी हैं जिनकी 2000 से ज्यादा रचनाएं प्रकाशित हो चुकी है तथा देश-विदेश से 200 से भी अधिक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। वे वास्तव में शिक्षा रत्न हैं जो अपनी जड़ों से जुड़े होकर अपने गांव के छात्रों के हित का सोच रहे हैं। ज्ञात हो वर्मा ने इस स्कूल के अतिरिक्त अपने कार्यस्थल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नांदिया के लिए भी उनकी बेटी के जन्मदिन पर एक स्मार्ट टीवी भेंट की है। इस अवसर पर गुरुदीन जी के भाई लोकेश बैरवा, प्रहलाद बैरवा, जीजाजी भेरूलाल बैरवा समेत विद्यालय के शिक्षक राजेश मीणा, सावित्री मीणा, प्रेमशंकर मीणा, प्रेमलता मीणा, रामरतन मालव, गोमती, रितु बाला, नगीना कुमारी आदि उपस्थित रहे। बच्चों ने नई टीवी पाकर प्रसन्नता व्यक्त की।

अस्ताचलगामी सूर्य को निवेदित किया गया अर्घ्य, उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ व्रत होगा सम्पन्न

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व चैती छठ के तीसरे दिन रविवार की संध्या श्रद्धालुओं ने भगवान भाष्कर को सांध्यकालीन अरघ्य अर्पण किया।

इस दौरान संध्या समय भक्तों की भीड़ छठ घाटों पर उमड़ पड़ी। जहां ढोल, नगाड़े एवं मंगल गीतों के बीच अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अरघ्य अर्पण कर लोगों ने अपने तथा अपने परिजनों की सुख, शांति, समृद्धि एवं आरोग्य की कामना की। 'उगते सूरज की पूजा' तो संसार का विधान है, पर केवल और केवल 'भारतवासी' अस्ताचलगामी सूर्य की भी अराधना करते हैं और वो भी, उगते सूर्य से पहले,अगर 'उदय' का 'अस्त' भौगोलिक नियम है, तो 'अस्त' का 'उदय' प्राकृतिक और आध्यात्मिक सत्य। यह व्रत पर्यावरण संरक्षण सहित लोगों को समानता और सद्भाव का मार्ग दिखाता है। अमीर-गरीब सभी माथे पर डाला लेकर एक साथ घाट पहुंचते हैं। सूर्य और जल की महत्ता का प्रतीक यह पर्व पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देता है।

इस पर्व को भगवान सूर्य और परमब्रह्म प्रकृति और उन्हीं के प्रमुख अंश से उत्पन्न षष्ठी देवी का उपासना भी माना जाता है। सूर्य प्रत्यक्ष देवता हैं, वे सर्वत्र व्याप्त हैं और रोज लोगों को दर्शन देते हैं। ऐसी मान्यता है कि सूर्योपासना का व्रत कर जो भी मन्नतें मांगी जाती हैं वे पूरी होती हैं और सारे कष्ट दूर होते हैं। महापर्व को लेकर विभिन्न छठ घाटों को आकर्षक रूप से सजाया गया है। साथ ही ग्रामीणों के द्वारा साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था की गई है। सोमवार अहले सुबह उदीयमान भगवान भास्कर को अरघ्य अर्पण के साथ ही चैती छठ का समापन हो जाएगा।

इंद्रजाल झूठ का

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल 2024: क्या बात है? बहुत खुश दिखाई पड़ रहे हो। कौन सा है वह सपना जो पूरा हुआ और कौन सी इच्छा है जो पूरी हुई?

मेरे अपने सपने क्या होंगे गुरुजी? जनहित और लोक कल्याण ही मेरा सपना है। जनता ही मेरा सब कुछ है।

कहीं तुम राजनीति में तो नहीं आ गए हो?

कितनी बड़ी बात कह दी गुरुजी! आप गालियां भी देते तो मुझे इतना दुख नहीं होता। राजनीति से दूर, सच्ची जन सेवा करना ही मेरा सिद्धांत है, यह आप को भी मालूम है।

ठीक है। वोट देकर जिता कर सेवा करो महाप्रभु कहने पर भी कोई सुनवाई नहीं। ऊपर से जितना हाथ आया उसे लूटने की कूटनीति का शुरुआत कर रहे हैं कुछ नेता और तुम राजनीति से सेवा करने के लिए क्या ऊपर से आए हो!

यही ज्यादती हो रही है गुरु जी! जिसके पास पैसा नहीं है, क्या उसे सेवा करने का कोई हक भी नहीं है? मैंने काफी पैसा गरीबों को खिलाने के लिए जमा कर रखा है। लेकिन इस बीच हमारी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा निधि और विश्व बैंक के प्रतिनिधियों के द्वारा दिए गए विवरणों को सुनने के बाद मुझे लगा कि मुझे अधिक मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ऐसा क्या अब यह बताओ कि विश्व बैंक और आईएमएफ के प्रतिनिधि क्या कहते हैं?

उनका कहना है कि हमारे देश में गरीबी काफी हद तक कम हो गई है। पूरी तरह गरीबी मिटाने में ज्यादा समय नहीं है। उनका कहना है दुर्भर दारिद्य यानी बहुत अधिक गरीबी जो है वह एक प्रतिशत से भी कम है। 2024 तक भारत में भारी गरीबी 10.2 प्रतिशत तक कम हुआ है जबकि 10 वर्ष पहले वही 22.5 प्रतिशत हुआ करता था। ये विश्व बैंक के आंकड़े हैं। इन दोनों संस्थाओं के हिसाब किताब में अंतर है, फिर भी कुल मिलाकर दोनों का कहना है कि गरीबी भारत में कम हो रही है। इसका मतलब है अब मुझे गरीबों और गरीबी को हटाने के बारे में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है यह खुश होने का ही मुद्दा है न गुरुजी!

अरे विचार तो ठीक हैं तुम्हारे। लेकिन अत्यधिक गरीबी 1% से कम कैसे हुआ क्या उन लोगों ने बताया?

हां उनका कहना है यह सब हमारे केंद्र सरकार द्वारा खाद्य पदार्थों पर दिए जाने वाले रियायतों के चलते, मुफ्त राशन बांटने के कारण ही हुआ है।

अरे वाह! एक योजना से ही पीढ़ियों से चली आ रही समस्या का अंत हो गया! इस हिसाब से अगर प्रत्येक सरकारी विभागों में द्वारा एक एक योजना लागू कर एक एक समस्या को शाश्वत रूप से दूर किया जा सकता है। ऐसे में इतनी सारी समितियां, इतने सारे आयोगों की जरूरत है क्या?

कोई कुछ भी बताए, आपको विश्वास क्यों नहीं होता गुरुजी? अगर एक समस्या सुलझ गई तो हमें खुश होना चाहिए कि नहीं बोलिए?

अगर सच में समस्या सुलझ गई है तो उससे बड़ी बात क्या हो सकती है? हमारे शासकों द्वारा अपनाई गई कल्याण योजनाएं शत प्रतिशत सही परिणाम दे रही हैं, ऐसे भ्रम में या नेताओं पर अति विश्वास या अति उत्साह के साथ समस्याओं का निराकरण करने की झूठी बातों को फैलाने वालों की कमी क्या है बोलो।

इसका मतलब है गरीबी उतनी कम नहीं हुई है जितना कि उन्होंने कहा है यह कहना चाहते हैं आप? मतलब हमारे लिए बहुत सारा काम है, लेकिन पूरे देश में यह काम हो, इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर के प्रयास तो कर सकते हैं न। क्यों गुरु जी?

अजीब बंदा है तू। कई लोगों को यह पसंद ही नहीं है कि समस्या का समाधान हो। चुनाव के पहले आश्वासन देने के लिए कुछ समस्याओं को तो हमेशा बने रहना चाहिए। आश्वासनों से वोटों की वर्षा होनी चाहिए कुछ लोगों के लिए। कुछ लोगों के लिए सत्ता हासिल करने की दिशा में यही समस्याएं दीर्घकालिक स्रोत हैं।

वैसे लोगों की बात तो ठीक है। कई नेता गरीबों के कल्याण के लिए कई कई योजनाओं का बखान किए जा रहे हैं और गरीबों को मुश्किलों से बाहर निकालने सरकारी खजाना ही खाली किए जा रहे हैं। कर्मचारियों और पेंशन धारियों को समय पर वेतन या पेंशन नहीं दे पा रहे हैं। मौलिक जरूरतों और सुविधाओं के लिए निर्देशित धन का भी उपयोग गरीबों के कल्याण के लिए खर्च किए जा रहे हैं। फिर उस स्तर पर कोशिश करने के बाद गरीबी क्या उसका बाप भी भाग जाएगा। क्या कहते हैं?

पागल चेले! भूख लगने पर पेट भरना अच्छा है या वे अपने आप दो जून की रोटी कमाकर खाएं इसके लिए कोई रास्ता दिखाना अच्छा है? बोलो!

इसमें सोचना क्या है? वह दूसरा रास्ता कमाने खाने का ही बिल्कुल अच्छा रास्ता है।

हमारा दुर्भाग्य है कि उस रास्ते की ओर हमारे नेताओं का मन ही नहीं जाता। जिस दिन का भोजन उसी दिन देने पर औसत मनुष्य उन पर निर्भर रहे, ऐसा उपाय करते हैं, इसके बाद उनकी वजह से गरीबी कम हो रही है इस बात का डंका बजाते हैं। गरीबी कम होती है या और अधिक होकर तरह-तरह के समस्याओं का कारण बनती हैं यह आम आदमी की समझ में जब तक नहीं आएगा या जब आएगा, तभी तुमने जो खुशनुमा बदलाव सोचा है वह आएगा तब तक न तेरा सपना ही सच होगा और न इच्छा ही पूरी होगी।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्रप्रदेश)

बाबा भीम आये हैं

(शेर)- नहीं कोई उनसा जमीं पर, जैसे बाबा भीम है।
मसीहा मानव जाति के, दुनिया में बाबा भीम है।।
करो स्वागत उनका फूलों से, देखो बाबा भीम आये हैं।
विश्व रत्न और ज्ञान के प्रतीक, दुनिया में बाबा भीम है।।

बजाओ बाजा स्वागत में, बाबा भीम आये हैं।
सजावो फूलों से राह, बाबा भीम आये हैं।।
बजाओ बाजा स्वागत में----------।।

इनके चेहरे का तेज, करें रोशन हम सबको।
इनकी अंगुली का इशारा, दिखाये राह हम सबको।।

दिखाने हमको सही मंजिल, बाबा भीम आये हैं।
जलावो दीप स्वागत में, बाबा भीम आये हैं।।
बजाओ बाजा स्वागत में----------।।

इनके हाथ का संविधान, देता है सबको न्याय- अधिकार।
इनकी शिक्षा और ज्ञान का, लोहा मानता है संसार।।
शिक्षा है शेरनी का दूध, बताने भीम आये हैं।
बरसाओ फूल तुम उन पर, बाबा भीम आये हैं।।
बजाओ बाजा स्वागत में----------।।

बाबा भीम मसीहा है, सभी धर्मों जाति के।
बाबा भीम उद्धारक है, बहुजन- नारी जाति के।।
बचाने इंसानियत को, बाबा भीम आये हैं।
करो स्वागत तुम चलकर, बाबा भीम हैं।।
बजाओ बाजा स्वागत में----------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

बन संवर के चांद को तुम ताका न करो

सरकार इस तरह से तो
अब हमको रुसवा न करो,
मुहब्बत खेल नहीं है, तुम
कोई तमाशा न करो,
ज़माने में रुसवाईयाँ तो
और बढ़ेंगी ज़रा सोचो,
राज़ दरमियाँ जो अपने हैं,
सबको बताया न करो,
नक़्श ए पा गर रेत पर भी
जो गर मिलें तुमको,
बेहतर है तुम इन ख्वाहिशों
को मिटाया न करो,
ख्वाबों को हक़ीक़त में बदल
देना ज़रा मुश्किल है,
बिन पढ़े तहरीरें कोई भी
आंखों में सजाया न करो,
चांदनी कैसे महक उठी देखो
तो तुम ज़रा मुश्ताक़,
इस तरह बन संवर के चांद
को तुम ताका न करो,

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

आज भाजपा की व्युह रचना का शिकार आम कांग्रेसी कार्यकर्ता कैसे हो रहा है!

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल 2024: कांग्रेसी आज क्या इतना अधिक मनोबल खो चुके हैं कि हर जिले में एक-एक करके कांग्रेसी कार्यकर्ता पार्टी का दामन छोड़कर भाजपा में जा रहे हैं वह भी पुराने वरिष्ठ कांग्रेसी एवं पूर्व दो-दो मुख्यमंत्रीयों दिग्विजय सिंह एवं कमलनाथ के रहते हुए भी। जबकि इनके रहते हुए ही कोराना काल के पहले बड़ी धूमधाम से कांग्रेस पार्टी की सरकार कमलनाथ के नेतृत्व बन चुकी थी। तब ऐसा आज क्या हो गया है कि मध्य प्रदेश में कांग्रेसियों का मनोबल आज लगातार टूटता जा रहा है जबकि बात वही कि हमारे प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर के दो बड़े नेता कमलनाथ एवं दिग्विजय सिंह के रहते इस तरह से आम कांग्रेसी कार्यकर्ता का इस तरह से मनोबल टूटना चिंता का विषय कहा जा सकता है क्योंकि हमारे प्रदेश के यह दो बड़े नेता राष्ट्रीय स्तर के भी नेता है एवं कांग्रेस आल्हा हाई कमान के काफी नजदीक भी कहे जाते हैं। तब उनके रहते हुए इस बार भाजपा द्वारा अपने स्थापना दिवस पर एक लाख कांग्रेसी यो को भाजपा में शामिल करवाने में किस तरह से सफल होने जा रही हैं। अतः यह सब किस तरह से आज सम्भव हो पा रहा है। यह एक बड़ा विचारणीय प्रश्न है कि प्रदेश में कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढाने के लिए तीन तीन बार बड़ी पद यात्राएं निकालने के बाद भी यहां यह प्रश्न भी उठता है कि इन दिनों लगातार प्रदेश में आम कांग्रेसीयों का मनोबल क्यों टूट रहा है। कारण प्रदेश में कांग्रेसी का मनोबल बढ़ाने के लिए कुछ समय पहले राहुल गांधी स्वयं दो बार एवं इसी तरह प्रदेश के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह भी अपनी यात्राएं प्रदेश भर में निकाल चुके हैं तब इन्होंने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए क्या-क्या प्रयास किए थे वह भी आज एक तरह से विचारणीय प्रश्न हो गए हैं।

एमएम राजावतराज
शाजापुर

मतदान: भारतीय लोकतंत्र की शक्ति

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल 2024: भारतीय लोकतंत्र की महापर्व चुनावों की घोषणा हो चुकी है, और यह चुनाव हमारे लिए एक महत्वपूर्ण और गर्व की बात है। चुनाव दिवस को हमें अपने देश के लिए एक उत्तम समर्पण का संकेत है। इसे एक नए भारत की नींव के रूप में देखें, जो समृद्ध, सशक्तिशाली और विकसित हो।

चुनाव में भाग लेना हमारा कर्तव्य है। यह हमारे देश के लिए एक प्राथमिकता है, जो हमें सशक्त और निष्पक्ष लोकतंत्र की ओर ले जाती है। हर एक मतदाता का मत महत्वपूर्ण है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए।

इस चुनाव में अपना मत देने से हम अपने देश के निर्माण में सक्रिय योगदान देंगे। यह हमारे समाज के लिए एक संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिकता का प्रतीक होगा। इसके साथ हम स्वतंत्रता के नीतियों और मूल्यों को बनाए रखने में मदद करेंगे।

इस चुनाव में भाग लेने का अर्थ है हमारे समाज की सुरक्षा और विकास में सहायक होना। यह हमारे भारतीय गणराज्य की ताकत और समृद्धि में सहायक होगा।

इसलिए, आइए हम सभी मिलकर एक उच्च स्तरीय और नैतिक चुनाव की भावना को समर्थन दें। आइए हम सभी अपने देश के भविष्य के लिए जिम्मेदारी और समर्पण का संकल्प लें, और चुनाव में भाग लेकर अपना सहयोग दें। यह हमारे देश के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा, जो हमें एक सशक्त, समृद्ध, और एकत्रित भारत की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेगा।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

लोकसभा चुनाव 2024-चुनाव आयोग का फरमान- उम्मीदवार बने प्रत्याशियों गंभीरता से ध्यान दीजिएगा जी!

सामुदायिक भोज, लंगर, भंडारे या समारोहों में उम्मीदवार बने प्रत्याशी शामिल हुए तो पूरा खर्च खाते में जुड़ेगा

लोकसभा चुनाव 2024 के उम्मीदवारों को चुनाव आयोग के खर्चे नियमों में, कड़े तेवरों से पग पग पर नकेल कसना सराहनीय- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर दुनियां के सबसे बड़े लोकतंत्र में 19 अप्रैल से 1 जून 2024 तक होने वाले चुनावी महापर्व में उम्मीदवार बने प्रत्याशियों के लिए केवल चुनावों का प्रचार प्रसार करना और लोगों का समर्थन हासिल करने तक ही अकेली चुनौती नहीं है, चुनावी अभियान का संचालन करने के बीच खर्च का हिसाब किताब रखना भी आसान नहीं होगा। हालांकि 2024 के चुनाव में खर्च सीमा बढ़ाकर 70 लाख से 95 लाख कर दी गई है,परंतु फिर भी चुनाव आयोग द्वारा पहले से निर्धारित खर्च संबंधी नियमों का सख़्ती से पालन करने के अतिरिक्त जैसे-जैसे डेवलपमेंट्स हो रहे हैं, चुनाव आयोग वैसे-वैसे दिशानिर्देशों की कड़ी में नए-नए नियमों को जोड़ता जा रहा है, जिसे उम्मीदवार बने प्रत्याशी को गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है,वरना लोकसभा सदस्य बन जाने के बाद भी चुनाव आयोग की कार्रवाई से सदस्यता पर प्रश्न चिह्न भी लग सकता है क्योंकि अभी दो दिन पहले ही चुनाव आयोग ने सख़्ती बढ़ाते हुए फरमान जारी कर दिया है कि अगर उम्मीदवार समुदायिक भोज लंगर भंडारे या विभिन्न समारोहों में शामिल हुए तो पूरा खर्च उनके खाते में जोड़ दिया जाएगा। बता दें अभी 9, 10 व 11 अप्रैल 2024 को चैत्र नवरात्र, गुड़ी पड़वा,चेट्रीचंड्र सिंधी दिवस वह ईद उल फितर सहित विभिन्न सामाजिक समूहों धार्मिक समूहों द्वारा मनाया गया, जिसमें मैं विशेष रूप से इन धार्मिक उत्सवों पर नजर रखी तो मुझे कोई किसी भी पार्टी का कोई नेता या उम्मीदवार नजर नहीं आया और ना ही किसी पार्टीबाजी का वर्चस्व दिखा साफ जाहिर है,चुनाव आयोग द्वारा उम्मीदवारों की नकेल कसने का असर दिखाई दिया। चूंकि चुनाव आयोग सख्त बना हुआ है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी केसहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, लोकसभा चुनाव 2024 के उम्मीदवारों की चुनाव आयोग के खर्च के नियमों में कड़े तेवरोंसे पगपग पर नकेल कसना सराहनीय है।

साथियों बात अगर हम चुनाव आयोग द्वारा प्रत्याशियों के लिए नियम कड़े कर सख्त नकेल कसने की कड़ी में एक और नियम जोड़ने की करें तो,चुनाव आयोग ने प्रत्याशियों के लिए नियम कड़े कर दिए हैं। साथ ही प्रत्याशियों के खर्च पर भी पैनी निगाह रखी जा रही है। अब एक ऐसा ही नियम प्रत्याशियों के भंडारे और लंगर से भी जुड़ा है। दरअसल, चुनाव आयोग के निर्देशों के मुताबिक यदि प्रत्याशी मतदाताओं से मिलने के लिए किसी सामुदायिक भोज या लंगर में शामिल होता है, तो ऐसे सामाजिक समारोह पर किया गया खर्च अभ्यर्थी के चुनावी खर्च के रूप में माना जाएगा और इसे उसके चुनावी व्यय लेखा में जोड़ा जाएगा।आयोग ने कहा है कि मतदाताओं से मिलने के लिए आयोजित किए गए ऐसे सामुदायिक भोज के कार्यक्रम भले ही किसी नाम से बुलाए गए हों अथवा खुद प्रत्याशी या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ही क्यों न आयोजित किए गए हों, यदि प्रत्याशी उसमें भाग लेता है तो इस पर होने वाले खर्च को प्रत्याशी के निर्वाचन व्यय में शामिल किया जाएगा।यह निर्देश धार्मिक समुदायों द्वारा अपने संस्थानों के अंदर प्रथागत तौर पर आयोजित लंगर, भोज या कोई समारोह जैसे शादी, मृत्यु आदि के सामान्य भोज पर लागू नहीं होगा। ऐसे सामुदायिक भोज, लंगर, दावत आदि पर किए गए व्यय को अभ्यर्थी के निर्वाचन व्यय में शामिल नहीं किया जाएगा बशर्ते कि अभ्यर्थी उसमें सामान्य आगंतुक के रूप में भाग लेता। कर पेशेवर प्रत्याशियों को सावधान कर रहे हैं कि शादियों के मौसम में वे विशेष ध्यान रखे सामाजिक आयोजन, शादी या पार्टी में प्रत्याशी शामिल तो हो सकते हैं, लेकिन ऐसी किसी शादी-पार्टी या आयोजन में उनके लिए वोट की अपील कर दी गई या कोई फोटो-बैनर लगा दिया गया तो उस पूरे आयोजन का खर्च उसके चुनावी खर्च में जोड़ लिया जाएगा। चुनाव आयोग ने इफ्तार पार्टी और भंडारे जैसे आयोजनों के दौरान रास्ता रोकने पर भी सख्ती दिखाई है। साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह सुनिश्चित करें कि कहीं भी रास्ता रोककर ऐसे आयोजन न किए जाए, जिससे लोगों को परेशानी हो।आयोग ने यह निर्देश कर्नाटक के मंगलुरू से मिली शिकायत के बाद दिए हैं, जिसमें सड़क के बीचों-बीच इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया था। आयोग ने इस मामले में जिला निर्वाचन अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा है। आयोग ने साफ कहा है कि रास्ता रोककर किसी भी तरह के आयोजन करना गैर -कानूनी है।आयोग ने ऐसे आयोजनों को लेकर न सिर्फ सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को सतर्क किया है, बल्कि ऐसे आयोजनों के राजनीतिक जुड़ाव पर उसका खर्च राजनीतिक दलों या प्रत्याशियों के चुनावी खर्च में जोड़ने का निर्देश दिया है। साथ ही जरूरी कार्रवाई भी करने को कहा है।

चुनावी निष्पक्षता के लिए राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की ओरसे मतदाताओं को लुभाने की प्रत्येक कोशिश को रोकने में जुटे चुनाव आयोग ने फिलहाल रोजा इफ्तार दावतों और धार्मिक भंडारों जैसे आयोजनों पर भी चौकसी बढ़ा दी है।

साथियों बात अगर हम उम्मीदवारों के लिए प्रचार प्रसार अतिरिक्त खर्च हिसाब किताब सहित अन्य चुनौतियों की करें तो, आम चुनाव में उम्मीदवार बने रहे प्रत्याशियों के लिए प्रचार और लोगों का समर्थन हासिल करना ही अकेली चुनौती नहीं है। चुनावी अभियान के संचालन के बीच खर्च का हिसाब-किताब रखना भी आसान नहीं है। हालांकि लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बन रहे उम्मीदवार इस साल थोड़ी राहत महसूस कर सकते हैं। चुनाव आयोग ने खर्च की सीमा में पूरे 25 लाख रुपये की वृद्धि की है। हालांकि खर्च के नियमों की सख्ती अब भी जारी है।इन आम चुनाव में प्रत्येक लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनने वाला उम्मीदवार अधिकतम 95 लाख रुपये खर्च कर सकता है। खर्च की गिनती तब से शुरू होगी जबसे वह उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल करता है। प्रत्येक उम्मीदवार को चुनाव खर्च के लिए अलग से बैंक खाता खुलवाना होगा। उस करंट खाते के जरिये ही उम्मीदवार चुनाव का खर्च कर सकेगा।नकद खर्च को लेकर भी बंधन लागू है। पूरे चुनावी दौर में कोई भी उम्मीदवार एक व्यक्ति को 10 हजार से ज्यादा का भुगतान नकद नहीं कर सकता। उम्मीदवार इस खाते में खुद के पास मौजूद पूंजी के साथ परिवार, अपने दल या किसी से कर्ज लेकर पैसा जमा कर सकता है लेकिन चंदा नहीं ले सकता है।

साथियों बातअगर हमउम्मीदवारों के लिए संदेहास्पदलेनदेनों की करें तो, यह माना जाएगा संदेहास्पद लेन-देन (1) पिछले दो माह में जमा या निकासी का कोई उदाहरण हुए बिना निर्वाचन के दौरान एक लाख रुपए से अधिक की असामान्य एवं संदेहजनक राशि की निकासी या बैंक खाते में डाला जाना। (2) निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान जिले निर्वाचन क्षेत्र में ऐसे अन्तरण का कोई पूर्व उदाहरण हुए बिना पैन के माध्यम से एक बैंक खाते में विभिन्न व्यक्तियों के खाते में राशि का असामान्य रूप से राशि का अंतरण। (3) अभ्यर्थी या उनकी पत्नी या उसके आश्रितों जैसा कि अभ्यर्थियों द्वारा दाखिल किए शपथ पत्र में उल्लेखित है जो मुख्य निर्वाचन अधिकरियों की वेबसाइट में उपलब्ध हैं, के बैंक खाते में एक लाख से अधिक की नकद राशि जमा करना या निकालना। (4) निर्वाचन प्रकिया के दौरान राजनीतिक दल के खाते से एक लाख रुपए से अधिक की नकद राशि निकालना व जमा करवाना। (5) अन्य कोई भी संदेहजनक नकद लेन-देन, जिसे निर्वाचकों को रिश्वत देने के लिए प्रयोग किया जा सकेगा।

साथियों बातअगर हमउम्मीदवारों के लिए अन्य वित्तीय नियमों की करें तो, बैंक खाता राज्य के किसी भी बैंक में या डाकघर में भी खोला जा सकता है। अभ्यर्थियों के बैंक खाता खोलने के लिए एक समर्पित काउन्टर पृथक से खोला जाना चाहिए, जो जमा एवं आहरण प्राथमिकता के आधार पर करेंगे। संदेहास्पद लेन-देन के संबंध में सूचना निर्धारित प्रपत्र में लीड बैंक मैनेजर द्वारा निर्वाचन व्यय लेखा प्रकोष्ठ में जिले के समस्त बैंकों की सूचना साप्ताहिक दिनांकवार संकलित करते हुए भिजवाई जाएगी। संदेहास्पद लेन-देन को राकने के लिए अग्रणी बैंक के नेतृत्व में एक प्रकोष्ठ बनाया जाएगा। जिसमें जिले के प्रत्येक बैंक एवं शाखाओं की सूची निर्धारित प्रारूप में भिजवाई जाएगी। संदेहास्पद लेन-देन की पहचान शाखा प्रबंधक द्वारा की जाएगी एवं सूचना लीड बैंक द्वारा संकलित कर साप्ताहिक दिनांकवार निर्वाचन व्यय लेखा प्रकोष्ठ को भिजवाई जाएगी।अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रेस में बताया कि चुनाव के दौरान किसी के पास 50 हजार से ज्यादा नकदी मिलने पर उसका स्रोत और मकसद बताना होगा। स्रोत या उद्देश्य नहीं बताने पर राशि जब्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि किसी व्यक्ति के पास दस लाख रुपये या इससे अधिक राशि मिलती है तो तुरंत आयकर विभाग को सूचित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्याशी के अधिकृत चुनाव एजेंट को भी यदि नकद राशि ले जाते हुए पकड़ा जाता है तो उन्हें भी उसका हिसाब देना होगा।दस हजार रुपये से अधिक कीमत के पोस्टर, निर्वाचन सामग्री, ड्रग्स, मदिरा, हथियार या उपहार मिलते हैं जिनका उपयोग प्रलोभन के लिए किया जा सकता है उन्हें भी जब्त किया जा सकता है।अब तक दो लाख रुपये तक की रकम लेकर चलने पर उसका प्रमाण पत्र, बैंक रिकार्ड या रुपये के लेनदेन का ब्योरा लेकर चलना होता था। मगर, अब इस राशि का दायरा बढ़ाकर दस लाख रुपये कर दिया है।अगर कहीं चेकिंग में रकम पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा पकड़ी जाती है और यह टीम तत्काल आयकर टीम को बुलाएगी। आयकर टीम जांच करेगी। मौके पर आयकर टीम को संबंधित व्यक्ति प्रमाण पत्र दिखा पाएगा तो रकम छूटेगी। अन्यथा उस रकम को फ्रीज कर जांच में रखा जाएगा।चुनाव आयोग इससे पहले ही चुनाव में मतदाताओं को लुभाने के लिए बांटे जाने वाले उपहारों, पैसों, शराब व ड्रग्स आदि पर पैनी नजर रखता है। साथ ही इसे जब्त करने की कार्रवाई भी करता है। गौरतलब है कि 2019 के चुनाव में 3449 करोड़ से अधिक कीमत के उपहार, नकदी व शराब आदि जब्त हुई थी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि लोकसभा चुनाव 2024 चुनाव आयोग का फरमान-उम्मीदवार बने प्रत्याशियों गंभीरता से ध्यान दीजिएगा जी! सामुदायिक भोज लंगर भंडारे या समारोहों में उम्मीदवार बने प्रत्याशी शामिल हुए तो पूरा खर्च खाते में जुड़ेगा। लोकसभा चुनाव 2024 के उम्मीदवारों को चुनाव आयोग के खर्चे नियमों में,कड़े तेवरोंसेनकेल कसना सराहनीय है 9284141428

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

अनाम शहीदों को शत-शत नमन

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल 2024: भारत के आजादी के लिय अनथक लड़े गये संग्राम में अप्रैल का महीना अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता हैं। दिसंबर 1914 में ब्रिटेन के शासकों में से एक जस्टिस सिडनी रोलेट की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया था. और उसके तहत उसने "रोलेट एक्ट" के नाम से जो कानून बनाया था, उसमें बिना कारण के गिरफ्तारी एवं बंद न्यायालय में मुकदमे की सुनवाई एवं किसी भी तरह की अपील पर पाबंदी जैसे प्रावधान थे। इससे भारतीय जनमानस का उद्देलित होना स्वाभाविक हो गया था। रोलेट एक्ट ही भारत में "जलियां वाला बाग" कांड करने के लिये अंतिम रूप से जिम्मेदार था। रोलेट एक्ट के विरोध में सारा देश सुलग उठा था। जगह-जगह उसके खिलाफ आवाजें उठ रही थीं, कही आंदोलन तो कहीं घेराव आदि हो रहे थे। इसी मध्य अप्रैल के महीने में सन् 1919 को इस एक्ट के विरुद्ध जो आंदोलन छेडा गया था, उसी की परिणति जलियांवाला बाग कांड के रुप में हुई।

जलियांवाला बाग कांड ने सरदार ऊधमसिंह जैसे रण बाकुरे को मारने मरने के लिये खड़ा कर दिया था। ऊधमसिंह ने पंजाब की धरती पर अमृतसर जिले के सुगम गाँव में एक दलित परिवार में जन्म लिया था। उनकी माता श्रीमती हरनाम कौर और उनके पिता जल्द ही स्वर्ग को सिधार गये। जिससे वे बचपन में ही अनाथ हो गये। ऊपर से दलित होने और उस समय छुवाछूत की भावनाओं के कारण उनका हालचाल लेने वाला कोई भी नहीं था। परंतु ऊधमसिह ने पंजाब के एक अनाथालय में हिंदी, ऊर्दू, अंग्रेजी और पंजाबी भाषा के साथ साथ लकड़ी की दस्तकारी भी सीखी। अमृतसर में ही उन्होंने एक फर्नीचर की दुकान खोली, जिसका नाम उन्होंने "राम मोहम्मद सिंह आजाद फर्नीचर मार्ट" रखा था। उनके इस तरह दुकान का नाम रखने के पीछे भी सर्वधर्म समभाव के साथ देश की एकता की भावना भरी हुई थीं, उन्होंने जैसे राम, हिंदुओं, मोहम्मद, मुसलमानों, सिंह सिक्खों तथा आजाद, भारत की आजादी के लिये रखा था। उधमसिंह अपनी रोजी रोटी के साथ-साथ आजादी संग्राम के भी सक्रिय सिपाही थे। वे अंग्रेजी के विरुद्ध होने वाले हर आंदोलनों में जरुरी हिस्सा बनकर काम करते थे।

रोलेट एक्ट के विरोध में तीस मार्च से छह अप्रैल 1919 में जो आंदोलन चलाया गया, उसके आगे की रूपरेखा तय करने के लिये 13 अप्रैल 1919 को वैसाखी के दिन अमृतसर में जलियांवाला बाग नामक स्थान पर एक सभा आयोजित की गई। इस सभा का एक तात्कालिक कारण था कि अनेक नेताओं को गिरफ्तार भी कर लिया गया था, जिन्हें रिहाई कराने के लिये एक विशाल बैठक जलियांवाला वाग में बुलाई गई थीं। इस समय पंजाब का गवर्नर माइकल ओ. डायर था। उसे भी इस बैठक की खबर हो चुकी थी।

उसने, जब जलियांवाला बाग की बैठक शुरू हो चुकी थी। वह स्थान आंदोलनकारी से खचाखच भर चुका था तभी बिना किसी चेतावनी के जलियांवाला बाग को चारों तरफ से घेर लिया। सैकड़ों पुलिस कर्मी बंदूकों से लैस उपस्थित जन समुदाय पर रायफल तानकर खड़े हो गए। माइकल ओ. डावर के साथ लेफ्टिनेंट जनरल ई. जी. डायर तथा लाई जैटलैंड भी थे। उन्हें देखकर आंदोलनकारी कुछ समझ पाते कि अकस्मात उस सभा में इन अधिसंख्य एवं निहत्थी जनता पर बिना सावधान किये अंधाधुंध गोलियां चलाने का आदेश दे दिया। उस समय सभा में आजादी का तराना गाते समय नंत्थू लाल को पहली गोली लगी, जो उनके सीने को भेदती चली गई। उस सभा में खचाखच भीड़ में लगभग चार सौ लोगों को मौत की नींद सुला दिया गया। किशोरवय के ऊधमसिंह भी इस समय वहाँ उपस्थित थे। और सौभाग्य से आततायियों की दुदाँत गोलियों से बच गये थे, उन्होंने उपरोक्त तीनों अंग्रेज अधिकारियों जो इस काण्ड के मुख्य रूप से अपराधी थे, उन्हें मृत्युदण्ड देने की कसम खाई।

1940 में ऊधमसिंह को आखिर लंबे इंतजार के बाद मौका मिल ही गया। जब वो लंदन में ईस्ट इंडिया कंपनी और एशिया सोसायटी की सभा को संबोधित कर रहे थे। उस समय लेफ्टीनेंट माईकल जी. डायर तथा लार्ड लैटलैंड को ऊधम सिंह ने अपनी गोली का निशाना बनाया। जनरल ई जी डायर पहले ही मर चुका था, और उधमसिंह की गोली के हमले में दूसरा अपराधी भी मौके पर ही मारा गया। हमले में लार्ड जैडलेड घायल हो गया था बाद में वह भी मारा गया। अंग्रेज सरकार इस घटनाक्रम से इतनी बावरी हो गई कि. उसने अमृतसर की एक गली जिसमें अंग्रेज पर आंदोलनकारियों ने हमला किया था, उसमें भारतीयों को पेट के बल आने जाने का आदेश दिया था। सैनिकों ने जनता पर उसका कटटरता व निर्ममता से पालन करवाया। सात दिन बाद यह आदेश वापस लिया गया।

तात्पर्य यह हैं कि अप्रैल का महिना देश के लोगों के लिये बड़ा पावन महीना हैं, जब देश के शहीदों ने अपनी जान न्यौछावर करके इस देश को आज़ाद कराने की ठानी थी। परंतु आज उन शहीदों की स्मृतियों पर हमारे भौतिक सुखवाद की गर्त पट चुकी है। सरकारी स्तर पर जो उपेक्षा है उसी का परिणाम आम आदमी तक पहुँच रहा हैं। यदि शहीदों की स्मृतियों को ही हम सम्हाल कर नहीं रख पाये तो इससे बड़ा क्या पाप होगा। समय रहते इस पाप को हर स्तर पर हम सभी को धोना है। आईए हम सभी उन अनाम शहीदों को जो "जलियांवाला बाग" काण्ड में अपने आपको बलिदान कर दिया था,उन्हें शत् शत् नमन करें....।

सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

देवरा स्थित शिव मंदिर दर्शनीय

कोलफील्ड मिरर 15 अप्रैल 2024: मध्यप्रदेश में इंदौर से 140 किमी पर धार जिले के मनावर तहसील से 10 किमी ग्राम अवलदा बाएं दिशा में 2 किमी की दूरी पर केंद्र सरकार के अधीन पुरातत्व विभाग देवरा नामक गांव में प्राचीन शिव मंदिर स्थित है| देवरा स्थित परमार कालीन महादेव मंदिर के समीप

जीराबाद में मान वृहद परियोजना निर्मित है| जो पर्यटकों को लुभा रहा है| आसपास की हरियाली, पानी के झरने,बरसात के मौसम में हल्की पानी की फुआर दूर की पहाड़िया सघन वन क्षेत्र दर्शनीय एवं रमणीय स्थान है। देवरा स्थित महादेव मंदिर भी एक विशेष महत्व के कारण उस स्थान पर बनाया गया। जिसमे शिल्पकला का मूर्तियों में नक्काशी का चित्रण किया गया है| देवरा महादेव में जो शिवलिंग की ऊंचाई लगभग साढ़े चार फिट है मूर्ति से लिपटे तांबे धातु से निर्मित सुंदर सर्प भी पौने पांच फिट का है| मंदिर की दीवारों